हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक:31 ■ नई दिल्ली 09 से 15 मई 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

अब हॉलीबुड फिल्म में नजर आएंगी कंगना...

एक नजर

तुर्किए की कंपनी का भारत में सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की जवाबी सैन्य कार्रवाई में उसकी मदद करने वाले तुर्किए के खिलाफ एक और सख्त कदम उठाते हुए गुरूवार को उसकी कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द कर दी। नागर विमानन मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर कहा कि ग्राउंड हैंडिलिंग एजेन्सी श्रेणी में सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का सिक्योरिटी क्लियरेंस तत्काल प्रभाव से रद्द किया जा रहा है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक ने कहा है कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों को देखते हुए उठाया गया है। यह कंपनी दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर काम कर रही थी। उल्लेखनीय है कि भारत को जब से यह पता चला है कि पाकिस्तान द्वारा की गयी सैन्य कार्रवाई में बड़े पैमाने पर तुर्किए के ड्रोन का भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया गया है तब से वह तुर्किए और वहां के संस्थानों तथा कंपनियों के खिलाफ सख्ती बरत रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी जाति जनगणना के खिलाफ, कांग्रेस के दबाव में झुके : राहुल

दरभंगा/नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाति जनगणना के खिलाफ थे लेकिन उनकी (श्री गांधी) ओर से लगातार जारी दबाव में आकर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की जाति जनगणना कराने की घोषणा की है।

श्री गांधी ने गुरुवार को यहां जिला प्रशासन के निदेर्शों की अवहेलना करते हुए अंबेडकर छात्रावास में छात्रों को संबोधित किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाति जनगणना के खिलाफ थे। यह उनका दबाव था जिसने श्री मोदी को राष्ट्रीय स्तर की जाति जनगणना के लिए तैयार होने को मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्रीय स्तर पर जाति गणना पूर्ण हुई तो यह समाज के वंचित और उत्पीड़ित वर्ग के हित में होगा। कांग्रेस नेता ने कहा, ह्लहम चाहते हैं कि जाति जनगणना निष्पक्ष और सही तरीके से हो ताकि विकास के रास्ते में पीछे रह गए लोगों की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।ह्व उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने जाति जनगणना सही तरीके से कराई। अब केंद्र की मोदी सरकार को तेलंगाना की तर्ज पर जाति जनगणना करानी चाहिए।

श्री गांधी ने कहा कि देश में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अति पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों की आबादी 90 प्रतिशत है। उन्होंने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद इन सभी को हर रोज यातना और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायपालिका, नौकरशाही और कॉर्पोरेट क्षेत्र में एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी की भागीदारी शून्य है। हालांकि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत सूचीबद्ध मजदूरों में उनकी संख्या सबसे अधिक है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार को निजी संस्थानों में एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान करना चाहिए। इन वर्गों के आरक्षण के लिए कानून तो है लेकिन इसे न तो केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और न ही बिहार में श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक निजी संस्थानों में एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी वर्ग को आरक्षण नहीं दिया जाता तब तक कांग्रेस चैन से नहीं बैठेगी।

पाकिस्तान के परमाणु हथियार अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेन्सी की निगरानी में रखे जायें: राजनाथ सिंह

- समय आने पर भारतीय सैनिक दुश्मन के गढ में जाकर उसे नेस्तानबूद करना जानते हैं : रक्षा मंत्री

श्रीनगर, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बार-बार परमाणु धमकी देने वाले पाकिस्तान में परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए उसके परमाणु हथियारों को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (आईएईए) की निगरानी में रखे जाने की मांग की है।

श्री सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने यह दिखा दिया है कि भारतीय सैनिक केवल रक्षात्मक कदम उठाना ही नहीं जानते परन्तु समय आने पर वह दुश्मन के गढ में जाकर उसे नेस्तानबूद भी करना जानते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान को जो चोट दी है उससे उसे समझ जाना चाहिए कि भारत विरोधी गतिविधियों के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने दे वरना तो भारत उसे मिट्टी में मिलाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू कश्मीर में सीमा पर तैनात जवानों से पहली बार मिलने के लिए पहुंचे श्री सिंह ने गुरूवार को यहां बादामी बाग छावनी में जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिज्ञा कितनी कठोर है, इसका पता इसी बात से चलता है कि भारत ने उनके न्यूक्लियर ब्लैकमेल की भी परवाह नहीं की है। पाकिस्तान की बार बार की एटमी धमकी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , पूरी दुनिया ने देखा है कि कैसे गैर ज़िम्मेदाराना तरीके से पाकिस्तान द्वारा भारत को अनेक बार एटमी धमकियाँ दी गईं हैं। आज श्रीनगर की धरती से मैं पूरी दुनिया के सामने यह सवाल उठाना चाहता हूँ कि क्या ऐसे गैर ज़िम्मेदार और दुष्ट राष्ट्र के हाथों में परमाणु हथियार सुरक्षित हैं? मैं मानता हूँ कि पाकिस्तान के एटमी हथियारों को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (आईएईए) की निगरानी में लिया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक अभियान ही नहीं है बल्कि यह एक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी प्रतिबद्धता है जिसमें भारत ने दिखा दिया, कि हम सिर्फ रक्षात्मक कदम ही नहीं उठाते, जब वक्त आता है, तो हम कठोर निर्णय भी लेते हैं। उन्होंने कहा, यह ऑपरेशन, उस एक-एक जवान की आंखों में देखा गया सपना था, कि हर आतंकी ठिकाना, चाहे वो घाटियों में छुपा हो या बंकरों में दबा हो, हम वहां पहुंचेंगे और दुश्मन की छाती चीरकर, हम उन आतंकी ठिकानों को खत्म करके ही लौटेंगे।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत द्वारा चलाई गई अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी कार्रवाई है। पैंतीस-चालीस वर्षों से भारत सरहद पार से चलाये जा रही आतंकवाद का सामना कर रहा है। आज भारत ने पूरी दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ हम किसी भी हद तक जा सकते हैं।

श्री सिंह ने कहा कि सेनाओं ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वह भारत विरोधी और आतंकवादी संगठनों को पनाह देना बंद करे, अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ न होने दे।

श्री सिंह ने कहा कि पाकिस्तान ने लगभग इक्कीस वर्ष पहले घोषणा की थी कि अब उनकी धरती से आतंकवाद ह्यएक्सपोर्टह्व नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने भारत को पहले भी धोखा दिया और आज भी धोखा दिए जा रहा है। इसका खामियाजा अब उसको भारी कीमत अदा करके भुगतना पड़ रहा है। और यह कीमत लगातार बढ़ने वाली है ।

श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो-टूक शब्दों में आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को स्पष्ट कर दिया है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर किया गया कोई भी आतंकी हमला युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा।

दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति के उल्लंघन के प्रति पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर ही होगी। उन्होंने कहा, दोनों देशों में जो समझ अभी बनी है वह इसी बात को लेकर है कि सरहद पार से कोई बेजा हरकत नहीं की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार श्रीनगर पहुंचे राजनाथ

श्रीनगर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारतीय सेना की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के ठिकाने पर हमला किये जाने के बाद पहली बार गुरुवार को श्रीनगर पहुंचे। जम्मू-कश्मीर का श्री सिंह का यह दौरा भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को घोषित संघर्ष विराम के मद्देनजर हो रहा है। इससे पहले कई दिनों तक सीमा पार से झड़पें और गोलीबारी हुई थी, जिसके कारण नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई लोग हताहत हुए थे और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था। अधिकारियों ने बताया कि श्री सिंह ने यहां पहुंचने के तुरंत बाद सेना की 15 कोर मुख्यालय का पहुंचे, जहां उन्होंने सेना के जवानों से बातचीत की और मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि श्री सिंह सीमावर्ती क्षेत्रों, विशेष रूप से हाल ही में सीमा पार से गोलाबारी के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में युद्ध की तैयारियों सहित समग्र सुरक्षा परिदृश्य का आकलन कर सकते हैं। रक्षा मंत्री जमीनी हकीकत का आकलन करने और सीमा पर तैनात सैनिकों से बातचीत करने के लिए अग्रिम क्षेत्रों का भी दौरा कर सकते हैं।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर, एजेंसी। दक्षिण कश्मीर के अवंतीपोरा उप-जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन स्थानीय आतंकवादी मारे गये।

पुलिस महानिरीक्षक विधि कुमार बिरदी ने मुठभेड़ स्थल के पास संवाददाताओं को बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने नादेर त्राल में घेराबंदी और तलाश अभियान छेड़ा। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी जिसमें तीन आतंकवादी मारे गए। मृत आतंकवादियों की पहचान पुलवामा निवासी आसिफ अहमद शेख, आमिर नबी और यावर भट के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि तीनों आतंकवादी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे और आसिफ शेख को 'ए' श्रेणी के आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। मुमगामा त्राल का 28 वर्षीय आसिफ तीन साल पहले जैश में शामिल हुआ था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद संयुक्त बलों ने आमिर के साथ उसके घर को भी उड़ा दिया था।

इससे पहले मंगलवार को शोपियां जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन स्थानीय आतंकवादी मारे गए थे। मारे गए आतंकवादियों में लश्कर का स्थानीय कमांडर शाहिद कुट्टे भी शामिल था। सुरक्षा बलों ने दक्षिणी कश्मीर में आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पहलगाम हमले में शामिल दो पाकिस्तानियों सहित तीन लश्कर आतंकवादी अभी भी फरार हैं, जबकि सुरक्षा बलों को पिछले 78 घंटों में छह स्थानीय आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता मिली है।

वक्फ संशोधन पर 20 मई को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट 1995 के प्रावधानों के स्थगन याचिका पर नहीं करेगा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम राहत पर विचार करने के मसले पर गुरुवार को कहा कि वह इस मामले में 20 मई को सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अगली तारीख मुकर्रर करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह 1995 के वक्फ कानून के प्रावधानों को स्थगित करने की किसी भी याचिका पर उस दिन विचार नहीं करेगी।

पीठ ने कहा कि अदालत अधिनियम के प्रावधानों को स्थगित करने वाले अंतरिम आदेश के पक्ष और विपक्ष में पूरे दिन दलीलें सुनेगी। कानून की वैधता को चुनौती देने वाले याचिकाकाताओं के अधिवक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अदालत को अगले सप्ताह सुनवाई करने का सुझाव दिया। दोनों वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने कहा कि सुनवाई अगले सप्ताह 20 मई के लिए तय की जा सकती है। इस बीच न्यायाधीशों को इस मामले के कागजात देखने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

इसके बाद पीठ ने श्री सिब्बल और श्री मेहता से कहा कि वे 19 मई तक अपने-अपने लिखित नोट अदालत के समक्ष दाखिल कर दें।

पीठ के समक्ष एक अन्य पक्ष की ओर से पेश अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने इससे पहले उन्होंने वक्फ अधिनियम 1995 के प्रावधानों को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि नई याचिका में उनके मुवक्किलों ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती दी है। उनके मुवक्किल वक्फ अधिनियम 1995 के कुछ प्रावधानों से भी दुखी हैं, जिसे 2025 में संशोधित किया गया है।

श्री जैन ने पीठ से अनुरोध किया कि उन्हें दलीलें पेश करने के लिए 30 मिनट का समय दिया जाए। इस पर पीठ ने श्री जैन से पूछा कि आपकी शिकायत क्या है? उन्होंने वक्फ न्यायाधिकरण को असंवैधानिक बताते हुए कहा कि यह अभी भी मौजूद है और कई अन्य धाराएं हैं जो कठोर हैं और वे अभी भी कानून में मौजूद हैं।

शीर्ष अदालत ने अधिवक्ता जैन से पूछा, वे कब से अस्तित्व में हैं। इस पर अधिवक्ता जैन ने कहा कि 1995 से और 2025 में भी।

पीठ ने कहा, यदि वे 1995 से अस्तित्व में हैं और उन्हें चुनौती नहीं दी गई है... और यदि उन्हें चुनौती दी गई थी तो कब दी गयी। इस पर अधिवक्ता ने कहा कि 1995 के अधिनियम को पहले भी चुनौती दी गई थी। शीर्ष अदालत ने उन्हें उच्च न्यायालय में जाने को कहा था। इन दलीलों के साथ उन्होंने कहा, ह्लहमने 140 याचिकाएँ दायर की हैं जो विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित हैं और अब हमने वर्तमान रिट याचिका दायर की है, जो एक नया मामला है...।

इसके बाद पीठ ने पूछा कि न्यायालय 2025 में 1995 के अधिनियम को चुनौती देने की अनुमति कैसे दे सकता है। जब न्यायालय 20 मई को मामले पर सुनवाई करेगा, तो वह 1995 के पहले के वक्फ कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने की किसी भी याचिका पर विचार नहीं करेगा।

पीठ ने कहा, हम यह स्पष्ट कर रहे हैं कि 1995 के अधिनियम के किसी भी प्रावधान पर रोक लगाने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं करेंगे। सिर्फ इसलिए कि कोई 2025 के संशोधन को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है और कोई बस 1995 के अधिनियम को चुनौती देना चाहता है, इसकी अनुमति नहीं दी जाएगी।

अमेरिका को शून्य टैरिफ व्यापार समझौते की पेशकश कर रहा भारत : ट्रंप

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने की पेशकश की है, जिसमें मूल रूप से यह प्रस्ताव है कि अमेरिकी वस्तुओं की एक रेंज पर कोई टैरिफ नहीं लगाया जाएगा।

कतर की राजधानी दोहा में व्यापार अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा, वे हमें एक ऐसे सौदे की पेशकश कर रहे हैं, जिसमें वे मूल रूप से हमसे कोई टैरिफ नहीं वसूलने को तैयार हैं। हालांकि, ट्रंप की ओर से इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि उन्होंने एप्पल के सीईओ टिम कुक से कहा कि वे भारत में और अधिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की अपनी योजना को छोड़ दें और इसके बजाय अमेरिका में इन प्लांट के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें। ट्रंप ने कहा, एप्पल संयुक्त राज्य अमेरिका में अपना उत्पादन बढ़ाएगा।

ट्रम्प का एपल से भारत में आईफोन न बनाने का आग्रह

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एपल से भारत में आई फोन बनाने की बजाय अमेरिकी में ही इसके उत्पादन को बढाने पर ज्यादा ध्यान देने का आग्रह किया है। श्री ट्रम्प ने कतर की यात्रा के दौरान एपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक के साथ मुलाकात के बाद कहा असली दिक्कत है कि टिम कुक भारत में आईफोन का निर्माण कर रहे हैं लेकिन मैं नहीं चाहता कि वह भारत में इसे बनाए। हालांकि इस बातचीत का सबसे बेहतर नतीजा यह रहा कि वह अमेरिका में भी अपना उत्पादन बढ़ाने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि भारत में टैरिफ सबसे ज्यादा है इसलिए वहां कुछ भी बेचना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि उन्होंने टिम कुक से कहा है कि वह भारत में अपना संयंत्र स्थापित न करें।

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चल रही चचाओं के हिस्से के रूप में, भारत के वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के प्रतिनिधियों ने 23-25 अप्रैल को वाशिंगटन में एक बैठक में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) तक पूरा करने के लिए चर्चा की। इसके बाद मार्च, 2025 में नई दिल्ली में पहले द्विपक्षीय चचाएँ हुईं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था, वाशिंगटन, डी.सी. में बैठकों के दौरान, टीम ने टैरिफ और गैर-टैरिफ मामलों को कवर करने वाले व्यापक विषयों पर उपयोगी चर्चा की। टीम ने 2025 की शरद ऋतु तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने के मार्ग पर चर्चा की, जिसमें शुरूआती पारस्परिक जीत के अवसर भी शामिल हैं।

बयान में कहा गया है कि वर्चुअल फॉर्मेट के माध्यम से प्रोडक्टिव सेक्टोरल एक्सपर्ट लेवल की सहभागिताएं हुई हैं, जबकि मई के अंत से इन-पर्सन सेक्टोरल सहभागिताएं निर्धारित की गई हैं। इसमें आगे कहा गया है कि प्रोडक्टिव चचाएँ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के माध्यम से भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों और सप्लाई चेन इंटीग्रेशन को बढ़ाने और विस्तारित करने के लिए 'फरवरी 2025 में लीडर्स के स्टेटमेंट' के अनुरूप द्विपक्षीय प्रयासों का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल फरवरी में वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान 2025 की शरद ऋतु तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए ट्रंप के साथ पहले दौर की बातचीत की।

दोनों लीडर्स ने निष्पक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और रोजगार सृजन सुनिश्चित करते हुए विकास को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया।

समूचे आतंकी ढांचे के खात्मे तक सिंधु जलसंधि पर रोक रहेगी : जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने आज दो टूक शब्दों में कहा कि सिंधु जल संधि पर रोक तभी हटाने पर विचार किया जाएगा लेकर आतंकवाद के ढांचे के समूल एवं स्थायी विनाश किया जाएगा और जम्मू कश्मीर पर सिर्फ पाकिस्तान के अवैध कब्जे को खाली कराने को लेकर बात होगी।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यहां होंडुरास के नये दूतावास का उद्घाटन के अवसर मीडिया से बातचीत में कहा, ह्लहमारे लिए यह बहुत अच्छी बात है कि हमारे पास होंडुरास का नया दूतावास है। होंडुरास उन देशों में से एक है जिन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के समय मजबूत एकजुटता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के दोषियों की जवाबदेही तय करने के

हमारे पक्ष को वास्तव में बहुत अधिक अंतर्राष्ट्रीय समर्थन मिला। हमारे पक्ष में एक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) प्रस्ताव था जिसमें कहा गया था कि अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और 7 मई को उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से जवाबदेह ठहराया गया।

एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध और व्यवहार पूरी तरह से द्विपक्षीय होंगे। यह वर्षों से राष्ट्रीय सहमति है, और इसमें बिल्कुल भी बदलाव नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद पर होगी। पाकिस्तान के पास आतंकवादियों की एक सूची है जिसके आधार पर आतंकवादियों को पकड़ कर हमें सौंपने और आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को बंद करने की आवश्यकता है। वे जानते हैं कि उन्हें क्या करना है। हम उनके साथ आतंकवाद के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ये वे वाताएँ हैं जो संभव हैं। सिंधु जल संधि पर पुनर्विचार करने के पाकिस्तान के अनुरोध के बारे में पूछे जाने पर डॉ. जयशंकर ने कहा, सिंधु जल संधि पर रोक है और तब तक रोक जारी रहेगी।

हरियाणा: थाना कालांवाली व थाना ओढ़ा की टीमों ने खेल मैदानों में पहुंचकर बढ़ाया युवाओं का हौसला

बंसी लाल

हरियाणा: डबवाली पुलिस द्वारा जहां नशा तस्करों की धरपकड़ की जा रही है, वहीं नशा पीड़ितों का इलाज करवाकर समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जा रहा है। पुलिस नशा मुक्त समाज अभियान पूरे जोर-शोर से चला रही है। जिसके तहत नशा तस्करों को जेल भेजना और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूकता सेमिनार आयोजित करना तथा खेल प्रतियोगिताएं करवाना, दोनों काम पूरी मेहनत के साथ किए जा रहे हैं।

सभी थाना एवं चौकियों के साथ स्पोर्ट्स एसपीओ, कमांडो टीम व नशा मुक्ति टीम इस कार्य में आए दिन नए आयाम स्थापित कर रही है। डबवाली पुलिस के प्रयासों से जहां नशा तस्करी पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा रहा है, वहीं युवाओं को खेलों व योग से जोड़कर नशे से दूरी बनाने और नशा मुक्त समाज अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आमजन के सहयोग से गांव नशा मुक्त किए जा रहे हैं।

युवा भी डबवाली पुलिस के प्रयासों से प्रभावित होकर नशे की लत से दूर रहकर खेलों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और खेल प्रतियोगिताओं में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग ले रहे हैं। इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को एसपीओ हरगोबिंद सिंह थाना औढ़ा गांव जलालआना में कबड्डी और थाना कालांवाली टीम ने गांव केवल में फुटबॉल की प्रतिस्पधाएं करवाकर नशे से दूर रहने और स्वस्थ व आत्मविश्वास से परिपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा दी।

जागरूकता अभियान के दौरान उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों और खेलों के महत्व के बारे में अवगत करवाते हुए कहा कि शराब, अफीम, गांजा आदि नशीली दवाओं का सेवन हमारे जीवन के लिए बहुत हानिकारक है। नशे के दुष्प्रभाव का सीधा असर हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। नशीली दवाओं का अधिक सेवन करने से शरीर के विभिन्न अंगों और दिमाग पर भी बुरा असर पड़ता है। नशा एक समस्या है जो समाज में व्याप्त हो रही है और इसके दुष्प्रभाव व्यक्ति, परिवार और समाज को प्रभावित करते हैं।

नशीली दवाओं का सेवन स्वास्थ्य, व्यक्तित्व, शिक्षा, संबंध और आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। नशा एक समस्या है जिसका समाधान हेतु शिक्षा, उच्चतम स्तर की जागरूकता और सभी समुदाय के सहयोग की जरूरत होती है। नशे के दुष्प्रभाव से बचने के लिए हमें अपनी जिम्मेदारियों को समझना और स्वस्थ जीवन शैली अपनाना चाहिए।

नशे के दुष्प्रभाव को रोकने के लिए समाज को सहयोग करना चाहिए और नशीली दवाओं के विरुद्ध जागरूकता फैलानी चाहिए। जिला पुलिस की आमजन से अपील है कि नशा से दूर रहें और यदि आपके आसपास कोई व्यक्ति नशा बेचने का काम करता है, तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को देकर समाज को नशा मुक्त करने में पुलिस का सहयोग करें। पुलिस को सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। जिला पुलिस सदैव आपकी सहायता के लिए तत्पर है।

उत्तर प्रदेश: गाजीपुर विधानसभा में सड़कों की हालत खस्ता

विकास कुमार सिंह

उत्तर प्रदेश: गाजीपुर विधानसभा क्षेत्र के दक्षिणी भाग में स्थित नईबाजार से देवैथा तक बना आरसीसी रोड को ग्रहण लग चुका है। यह आरसीसी रोड भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक ने अपने कार्यकाल के अंतिम चरण में बनाया था, जो टूट-फूट कर बिखर रहा है। इसकी जानकारी पीडब्ल्यूडी के अधिकारी को होने के बाद अपनी बचाव करते हुए मरम्मत करने का कार्य भी मिला, लेकिन ठेकेदारों ने आरसीसी रोड के टूटे स्थानों पर पिंच गिट्टी छिड़क कर कार्य बंद कर दिए।

आरसीसी रोड के कुछ ही जगह पिंच डाल कर फरार हो गए, जबकि हर किसी को जानकारी है कि आरसीसी पर पिंच नहीं, बल्कि खराब मैटेरियल हटा कर वहां नए गिट्टी सीमेंट की उचित मात्रा की मिश्रित मैटेरियल डाला जाता है। यहाँ कुछ घुसखोर और अधिकारियों की मिलीभगत से नईबाजार से देवैथा तक बना आरसीसी रोड को ग्रहण लगा हुआ है। यह आरसीसी रोड खराब होने के बावजूद भी दिन-प्रतिदिन, दिन-रात सैकड़ों ट्रक आते-जाते रहते

हैं, जिसमें 60-70 ओवर लोड सोलह टायर आते-जाते रहते हैं। इस वक्त नईबाजार मोड़ से गायघाट मायनर तक फटा हुआ है, जबकि गायघाट मायनर से देवैथा के बीच पचास से अधिक जगह टूट-फूट कर गड्ढा बन चुका है, जिस पर कुछ जगह पिंच रख कर कार्य समाप्त करने से ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है। इस टूट-फूट कर गड्ढा बना मार्ग पर दिन-प्रतिदिन गाड़ियों का काफिला बढ़ता जा रहा है।

उत्तराखंड: नशा जहर है, इससे दूर रहिए -इंदर राज दुग्गल

हरीश उपाध्याय

उत्तराखंड: द ऑलवेज केयर संगठन लगभग कई वर्षों से निरंतर सेवा में समर्पित है। आज के दिन संगठन द्वारा एक विशेष कार्यक्रम अनाथ आश्रम नजीबाबाद में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों की सेवा, नशा मुक्ति एवं स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर करना, बच्चों का उचित मार्गदर्शन, पर्यावरण, गौ सेवा पर बल देने के अतिरिक्त बहुत से उद्देश्यों को पूरा करने हेतु अग्रसर है।

संगठन के सभी पदाधिकारी सुश्री मंजू बलियान जी (अध्यक्ष), श्री इंद्र राज दुग्गल जी (उपाध्यक्ष), श्री वजीर शर्मा जी (सचिव), श्री कुशल जी (कोषाध्यक्ष), श्रीमती मधु शर्मा जी (सहसचिव), मरंत्युंजय उर्फ मन्नू (सदस्य/मीडिया) और श्री सौरभ सक्सेना जी (मीडिया प्रभारी) द्वारा नजीबाबाद अनाथ आश्रम पहुंचकर आश्रम की अध्यक्ष श्रीमती कमलेश जी के साथ अहम बैठक कर बच्चों को नशा मुक्ति पर शिक्षा प्रदान करते हुए जीवन में नशा मुक्ति हेतु प्रतिज्ञा कराई गई।

संगठन द्वारा आज निर्णय लिया गया कि बेघर वरिष्ठ नागरिकों को या उनके साथ होने वाले साइबर अटैक से किस प्रकार निबटा जाए। इस महत्वपूर्ण बैठक के पश्चात शांति पाठ कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस संगठन के कार्यों को देखकर समाज ऐसे समाज सेवियों की लंबी आयु की कामना के साथ उनके कार्यों की सराहना करता है।

जम्मू-कश्मीर: पाकिस्तानी गोलीबारी में शहीद हुए बिहार के लाल

एमडी फिरोज आलम

जम्मू-कश्मीर: 10 मई की शाम जम्मू-कश्मीर के आरएस पूरा सेक्टर में तैनात बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज पाकिस्तानी गोलीबारी में घायल हो गए। उन्हें पैर में गोली लगी थी और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बिहार के छपरा ज़िले के नारायणपुर गांव के रहने वाले इम्तियाज की शहादत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, पूरे इलाके में मातम छा गया।

इम्तियाज के परिवार को सबसे पहले यह दुखद खबर बीएसएफ के ट्विटर हैंडल से मिली। इसके बाद उनके बेटे मोहम्मद इमरान और दामाद तुरंत जम्मू के लिए रवाना हो गए ताकि अंतिम दर्शन कर सकें।

शहीद इम्तियाज के भांजे अमजद ने बताया कि गोलीबारी से कुछ घंटे पहले ही उन्होंने अपनी पत्नी शाहीन अजीमा से फोन पर बात की थी। बात सिर्फ एक मिनट की थी, जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर के हालात को लेकर चिंता जताई थी और हालचाल पूछने के बाद फोन काट दिया था। उनकी पत्नी दिल और बीपी की मरीज हैं, इसलिए परिवार ने अब तक उन्हें शहादत की जानकारी नहीं दी है। सिर्फ इतना बताया गया है कि पैर में गोली लगने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

गांव के लोगों के अनुसार, मोहम्मद इम्तियाज मिलनसार स्वभाव के थे। एक महीने पहले ही वह छुट्टी पर घर आए थे और ईद के आसपास पूरे परिवार के साथ वक्त बिताया था। उनके दो बेटे और दो बेटियां हैं। परिवार का हर सदस्य इस खबर से सदमे में है।

गांव निवासी अर्जुन राय ने बताया, "मैंने आखिरी बार उनसे शुक्रवार को बात की थी। उन्होंने कहा था कि स्थिति बहुत गंभीर है। यहां से गए हुए उन्हें लगभग 14-15 दिन हो चुके थे। उनका स्वभाव बेहद मिलनसार था।"

उनके भतीजे मोहम्मद आफताब ने कहा, "दो दिन पहले आखिरी बार बात हुई थी। तब उन्होंने एक-दूसरे के स्वास्थ्य का हालचाल पूछा था। शनिवार रात करीब 9 बजे हमें उनके निधन की खबर मिली। उन्होंने बताया कि वे नहीं रहे। वे मेरे मामा थे और बहुत अच्छे इंसान थे।"

शहीद इम्तियाज के दो भाई हैं। मंझले भाई मोहम्मद मुस्तफा असम के गुवाहाटी में बीएसएफ में ही सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। जैसे ही उन्हें यह खबर मिली, वे अपने पैतृक गांव लौटने के लिए निकल पड़े। तीसरे भाई अरब देश में नौकरी करते हैं।

इम्तियाज की शहादत से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा गांव शोक में डूबा हुआ है। गांव में लोगों का तांता लगा हुआ है और सभी अंतिम दर्शन के इंतजार में हैं। प्रशासन की ओर से पार्थिव शरीर को रविवार शाम तक गांव लाने की तैयारी की जा रही है।

गांव के लोगों का कहना है कि मोहम्मद इम्तियाज का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए और शहीदों की कतार में हमेशा अमर रहेंगे।

महाराष्ट्र: शिरपुर शुगर फैक्ट्री को शुरू करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा विरोध प्रदर्शन

प्रमोद विजय जमादार

महाराष्ट्र: पिछले कुछ दिनों से शिरपुर शुगर फैक्ट्री को शुरू करने के लिए विभिन्न विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस पर मिलीजुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। कुछ लोग किसानों का अपमान करते हैं, जबकि अन्य उनकी निंदा करते हैं। मन बहुत दुखता है। कभी तालुका की आर्थिक रीढ़ रही यह फैक्ट्री 12-13 वर्षों से धूल में दबी पड़ी है।

किसी को भी इस तथ्य से इनकार नहीं करना चाहिए कि किसानों और श्रमिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है, भले ही इससे किसका भला या हित सधता हो। निर्देशक के समर्थक और प्रदर्शनकारी एक-दूसरे पर चाहे जितना भी आरोप लगा लें, इससे मूल मुद्दा हल नहीं होगा। कारखाना कैसे शुरू होगा और यह कैसे होना चाहिए, यह निर्धारित करने के लिए कुछ ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। मैं 1982 से 2010 तक 28 वर्षों से चीनी कारखाने से जुड़ा हुआ हूं।

चूंकि शिसाका के संस्थापक स्वर्गीय शिवाजीराव दादा एक बहुत ही वफादार और करीबी कार्यकर्ता थे, मैंने अंत तक उनका साथ दिया, इसलिए मुझे अब इस मुद्दे पर अपनी राय व्यक्त करने का मन हो रहा है। शिसाका की राजनीति में मुझे हमेशा निशाना बनाया जाता था। आरोप लगाए गए। लेकिन मैंने कभी जवाब नहीं दिया। यह कारखाना किसानों की परियोजना थी। उसके लिए जीवित रहना बहुत महत्वपूर्ण था।

हालाँकि, राजनीतिक तौर पर कहा जाए तो किसानों के गलत फैसले के कारण फैक्ट्री बंद हो गई। कोई माने या न माने, आज यह तालुका असहनीय पीड़ा झेल रहा है। किसान विकास फाउंडेशन शिसाका को शुरू करवाने के लिए माननीय उच्च न्यायालय गया। चुनाव सम्पन्न हुआ। यह गुजर गया। सदस्य किसानों ने पुनः ए. अमरीशभाई

महाराष्ट्र: पलासनेर इस वर्ष भी स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल का 95 प्रतिशत परिणाम

प्रमोद विजय जमादार

महाराष्ट्र: पलासनेर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी लघु स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल का एसएससी 2024-25 का परिणाम 95% है। इसमें लड़कियों ने बाजी मारी है और पलासनेर सर्किल के सलमान मानसिंह पावरा ने 86.60 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। रोशनी कालू पवार को 85.60 प्रतिशत, महेश देवराम चारण को 84.40 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। विद्यार्थियों को बधाई देते हुए स्कूल प्रधानाचार्य ने शिक्षकों और अभिभावकों को भी बधाई दी।

इसके अलावा, विषय अध्यापकों और विद्यार्थियों को उनके अथक परिश्रम के लिए धन्यवाद दिया गया। सभी शिक्षकों ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम से गांव में उत्साह देखा जा रहा है। आज विद्यालय में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अध्यापकों को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री तापी पेरिस विट्ठल धाम ट्रस्ट बलदे सचलित। स्वामी विवेकानंद माध्यमिक विद्यालय पलासनेर का 10 मार्च 2025 का परीक्षा परिणाम 92.00% अंक के साथ घोषित किया गया है।

प्रथम स्थान सुश्री सलमा मानसिंह पवार ने 86.60%, द्वितीय स्थान सुश्री रोशनी कालू पवार ने 85.60% तथा तृतीय स्थान महेश देवराम चारण ने 84.40% अंक प्राप्त किया। संस्था के अध्यक्ष श्री मा.ए.नान साहेब सभाजीराव हीरामन पाटिल और ट्रस्टियों के साथ ही स्कूल के प्राचार्य श्री एम.जी. पाटिल, सभी शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी, बहनों और ग्रामीणों ने उत्तीर्ण छात्रों को बधाई दी।

हरियाणा: कालावाली में दो अज्ञात युवकों ने की एक नाबालिग को अगवा करने की कोशिश

महिपाल सिंह

हरियाणा: कालावाली वार्ड नंबर 5 में रविवार दोपहर को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें दो अज्ञात युवकों ने 13 वर्षीय किशोर अंकुश वर्मा को अगवा करने की कोशिश की। आरोपियों ने किशोर वर्मा के चेहरे पर गैस स्प्रे और लाइटर का उपयोग किया, जिससे किशोर वर्मा के चेहरे और बालों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा। घटना की सूचना तुरंत कालावाली पुलिस चौकी में दर्ज करवाई गई। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की।

बताया जा रहा है कि किशोर अंकुश वर्मा का पिता राजिंदर, जो कि सिरसा में गाड़ियों की सीट कवर बनाने का काम करता है, ऑपरेशन होने के कारण रविवार को घर पर ही था। दोपहर करीब 3:00 बजे उसका बेटा किशोर वर्मा गली में कचरा फेंकने के लिए बाहर गया था। तभी दो बाइक सवार युवक उसके घर के कुछ ही दूरी पर खड़े थे। दोनों युवकों ने काले रंग का पजामा और टी-शर्ट पहन रखी थी और सिर पर टोपी ली हुई थी। उनके पास एक बड़ा थैला था। जैसे ही किशोर अंकुश वर्मा बाहर निकला, उन लोगों ने थैली से गैस निकाली और उस पर लाइट स्प्रे का इस्तेमाल किया और रुमाल पर कुछ रासायनिक लगाकर उसके चेहरे पर रखने की कोशिश की। किशोर ने सांस रोकते हुए युवकों को धक्का मारा और घर की तरफ भागकर शोर मचाना शुरू कर दिया। जैसे ही शोर मचाया, वह दोनों युवक वहां से भाग गए।

इस हमले के कारण अंकुश वर्मा के कुछ हिस्से के बाल और पलकों के बाल जल गए और मुंह का एक हिस्सा भी जल गया। अंकुश वर्मा को नजदीक के प्राथमिकता अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस वारदात को देखते हुए गली में जितने भी सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, उन्हें खंगाल रही है क्योंकि भारत-पाकिस्तान युद्ध के कारण सभी कैमरे बंद किए हुए हैं। पुलिस की कार्रवाई जारी है।

उत्तर प्रदेश: अंधेरे में डूबा प्रयागराज शंकरगढ़ का राम भवन चौराहा मार्केट

संजय कुमार मौर्य

उत्तर प्रदेश: प्रयागराज शंकरगढ़ के राम भवन चौराहा पर स्थित मार्केट में बिजली विभाग ने बड़ा कदम उठाते हुए लाइट काट दी है, क्योंकि मार्केट के दुकानदार बिजली का बिल जमा नहीं कर रहे थे। लाइट कट जाने से मार्केट में अंधेरा छा गया है और दुकानदारों तथा ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बिजली काटने का कारण जब दुकानदारों से पूछा गया तो, नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हम लोगों से मकान मालिक जैसे ही महीना पूरा होता है, बिजली के बिल के साथ किराया ले लिया जाता है। अब मकान मालिक बिजली का बिल जमा करते हैं या नहीं, इसके बारे में हम लोगों को कोई जानकारी नहीं है।

हां, हर बार इतनी बात जरूर सामने आती है कि हर दूसरे-तीसरे महीने में एक बार बिजली विभाग इस राम भवन चौराहा मार्केट की लाइट को अवश्य काट देता है। फिर इस मार्केट की लाइट पुनः चालू होने में हफ्ता-दो हफ्ता लग जाता है। तब तक इसी तरह अंधेरे में दुकानदारी की जाती है। यहां तक कि शाम ढलते ही अंधेरा देख ग्राहकों का आना भी बंद हो जाता है, जिसकी वजह से इस तरह से महीने का किराया भी निकालना मुश्किल हो जाता है।

वहीं दुकानदारों की परेशानियों को देखते हुए यह जानकारी मिल रही है कि जल्द ही बिजली का बिल जमा किया जाएगा। वहीं बिजली विभाग की इस कार्रवाई से राम भवन चौराहे के मार्केट में हड़कंप मचा हुआ है और दुकानदारों में आक्रोश है। अब देखना होगा कि बिजली विभाग और दुकानदारों के बीच इस मुद्दे का समाधान कैसे निकलता है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने किया पटना में निमार्णाधीन सड़कों, ओवरब्रिज और मेट्रो परियोजना का गहन निरीक्षण

एमडी फिरोज आलम

बिहार: पटना के विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर सक्रिय नजर आए। रविवार को उन्होंने राजधानी के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और चल रहे निर्माण कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले शिवाला रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) और उसके पास निमार्णाधीन सड़क मार्ग की प्रगति देखी। इसके बाद वह चांदमारी गांव, सैनिक मोड़ और दानापुर भी पहुंचे, जहाँ उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य की विस्तृत जानकारी ली और मौके पर ही कई निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने सगुना मोड़ के पास चल रही पटना मेट्रो रेल परियोजना के कामों को भी बारीकी से देखा और परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य तय समयसीमा के भीतर हर हाल में पूरे हों। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बनी हुई सड़कों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इस निरीक्षण अभियान में जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, एसएसपी अवकाश कुमार समेत कई वरीय अधिकारी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे।

मुख्यमंत्री का निरीक्षण यहीं नहीं रुका। उन्होंने हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक की सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से ट्रैफिक दबाव कम होगा और लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

यह महत्वपूर्ण सड़क तुरहा टोली, खिरनीचक, डीपीएस स्कूल और चांदमारी होते हुए उसरी-छितनावां पथ से जुड़ेगी। इसके चालू हो जाने से नौबतपुर, जहानाबाद और आरा की दिशा में जाने वाले लोगों को एक नया वैकल्पिक मार्ग मिलेगा, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने मौके पर मौजूद अभियंताओं और निर्माण एजेंसियों से कार्य योजना, समयसीमा और अब तक की प्रगति पर विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी।

इस निरीक्षण दौरे के माध्यम से मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्य सरकार राजधानी पटना के बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है, और अब योजनाओं को धरातल पर तेजी से उतारने पर जोर दिया जा रहा है।

महात्मा ज्योतिबा फुले हाई स्कूल आष्टी का 97% रहा परिणाम

महेश पांडुरंग शेंडे

महाराष्ट्र: महात्मा ज्योतिबा फुले हाई स्कूल आष्टी का परिणाम 97% रहा है। हाल ही में घोषित 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में महात्मा ज्योतिबा फुले हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज आष्टी की कुमारी दंतुताई गुरुदास हुल्के क्रमशः प्रथम स्थान पर रहीं।

गुरुदास हुल्के को 90% मिले। वहीं, कुमारी समृद्धि विजय भासरकार ने 83.40% के साथ दूसरा स्थान और तन्मय गोपीनाथ डोरलीकर ने 83% के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इस परीक्षा में कुल 95 विद्यार्थी बैठे थे, जिनमें से 92 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

कुल परिणाम 97% है। इसमें 13 विद्यार्थियों ने उत्कृष्टता तथा 34 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी हासिल की है। महात्मा ज्योतिबा फुले सभी मेधावी और सफल छात्रों को बधाई दी गई। इनमें सर्वश्री वनवैभव शिक्षण संस्था अहेरी के उपाध्यक्ष आदरणीय बबलुभैया हकीम और राष्ट्रवादी महिला कांग्रेस नागपुर संभागीय अध्यक्ष भी शामिल हैं।

राष्ट्रवादी महिला कांग्रेस नागपुर संभागीय अध्यक्ष श्रीमती शाहीन भाभी हकीम, साथ ही वर्तमान विधायक धर्मरावबाबा आत्राम और महात्मा ज्योतिबा फुले हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज आष्टी के प्राचार्य किशोर पाचभाई ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी।

साथ ही पर्यवेक्षक घाटबांधे, सभी प्राध्यापकों, सभी शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस उपलब्धि को हासिल करने वाले छात्रों का मनोबल बढ़ाने और उनकी सराहना करने के लिए, महात्मा ज्योतिबा फुले जूनियर कॉलेज आष्टी के प्रधानाचार्य और शिक्षण स्टाफ ने छात्रों के घर जाकर उन्हें स्कूल बैग भेंट किए और उनके माता-पिता को भी बधाई दी।

उत्तर प्रदेश: मेधावी प्रतिभा वान खिलाड़ियों का उत्साह एवं सम्मान समारोह हुआ सम्पन्न

अमरजीत यादव

उत्तर प्रदेश: दिनांक 15 मई 2025, दिन गुरुवार को भगत सिंह खेल अकादमी निजामाबाद के प्रांगण में राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव के नेतृत्व में प्रतिभा वान खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बालक-बालिकाओं को लड्डू खिलाकर उत्साहवर्धन करते हुए सम्मानित किया गया।

अमरजीत यादव ने बताया कि 15 वर्षीय बालक एवं बालिकाओं में गौरी प्रजापति, संदीप यादव, इंद्रेश तथा मधु विश्वकर्मा 18 मई से आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता, जिसका आयोजन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में होने वाला है, में आजमगढ़ जिले की तरफ से प्रतिभाग करेंगे।

ग्राम प्रधान हंसराज यादव ने कहा कि हमें बहुत गर्व है कि हमारे एकेडमी के खिलाड़ी पूरे प्रदेश में जनपद का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। डॉ. आदित्य सिंह ने कहा कि इतनी कम समय में तथा सुविधा एवं संसाधन के अभाव में भी इस तरह की उपलब्धि से खिलाड़ियों में काफी उत्साह है।

अमरजीत यादव ने कहा कि अगर इसी तरह क्षेत्रवासियों का सहयोग मिलता रहा, तो एक नया इतिहास बनाएंगे। इस अवसर पर चन्द्र देव यादव, प्रबंधक सुरेन्द्र यादव, रामप्रवेश, संतोष, ज्ञान चंद, चन्द्रशेखर, आर्यन तथा अन्य सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। समस्त सम्मानित क्षेत्रवासियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राजगढ़ में नाइट्रोजन धुएं की वजह से 7 वर्षीय मासूम की हुई मौत

राजपूत रणजीत

गुजरात: नाइट्रोजन धुएं की घटना ने एक 7 वर्षीय मासूम बच्चे की जान ले ली। शादी समारोह के दौरान हुई यह घटना जानलेवा साबित हुई, जिसके बाद परिवार और स्थानीय लोग ऐसी खतरनाक घटनाओं पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं।

यह घटना 6 मई को हुई, जब इवेंट मैनेजर ने शादी समारोह से पहले दूल्हा-दुल्हन के प्रवेश के लिए नाइट्रोजन के धुएं से भरा एक रेफ्रिजरेटेड कंटेनर रखा, ताकि धुएं के बीच फोटो सेशन किया जा सके। इसी भ्रमण कार्यक्रम में भाग ले रही बधागांव की मासूम वाहिनी गुप्ता नाइट्रोजन के धुएं में गिर गईं और लगभग 80 प्रतिशत जल गईं। उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें इंदौर के अरबिंदो अस्पताल रेफर कर दिया गया। पांच दिनों तक वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद शनिवार रात वाहिनी का निधन हो गया। शादी में नाइट्रोजन का धुआं जानलेवा बन गया।

एक नजर

कांधल जड़ेजा की मौसी हीरलबा निकली डिजिटल गिरफ्तारी गैंग की सरगना

राजपूत रणजीत/गुजरात: कर्नाटक, यूपी वहीं, तमिलनाडु से 3.96 करोड़ रुपए ऑनलाइन कलेक्ट किए गए। पोरबंदर जिले के कुटियाना से विधायक कांधल जड़ेजा की चाची हीरल्बा जड़ेजा इस समय जबरन वसूली समेत अन्य अपराधों के लिए जेल में हैं। पुलिस जांच में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

हीरलबा जड़ेजा ने गुजरात, कर्नाटक, यूपी में साइबर ठगों का गिरोह बनाया और तमिलनाडु में लोगों को डिजिटल तरीके से गिरफ्तार कर 3.96 करोड़ रुपए विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए हैं। पोरबंदर पुलिस ने इस संबंध में साइबर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। कार्रवाई की गई है। हीरल्बा जड़ेजा वर्तमान में जबरन वसूली सहित अपराधों के लिए जेल में हैं; गुजरात, कर्नाटक, यूपी और तमिलनाडु से 3.96 करोड़।

विधायक ने इंद्रावती उच्च विद्यालय में चारदीवारी निर्माण का किया शिलान्यास

एमडी फिरोज आलम/बिहार: प्रखंड क्षेत्र में मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत नगर पंचायत स्थित इंद्रावती उच्च विद्यालय के चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास बुधवार को मनिहारी विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने नारियल फोड़कर और फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यालय की सुरक्षा और सुव्यवस्थित वातावरण के लिए चारदीवारी आवश्यक है। बताया कि मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत इस कार्य के लिए 14 लाख 47 हजार 600 की राशि स्वीकृत की गई है। विद्यालय में विकास की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे छात्रों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सकेगा। इस मौके पर अब्दुल मन्नान, गोपाल यादव, ऋषिकांत मंडल, मुनेंद्र यादव, राजीक हुसैन, गुलाब रोशन, सुशांत मंडल, बंटी सिंह, पिट्टू, डॉ. सम्स, शहाबुद्दीन उर्फ छोटू समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

खाने को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए क्या करें?

राजपूत रणजीत

गुजरात: 'काम समाचार' में आज हम बात करेंगे कि गर्मियों में खाना जल्दी खराब क्यों हो जाता है? आइए यह भी जानें कि टिफिन में खाना लंबे समय तक ताजा कैसे रखें? लंच पैक करते समय किन बातों का ध्यान रखें? दिव्य भास्कर ऐप पर इस खबर को विस्तार से पढ़ें। टिफिन में खाना लंबे समय तक ताजा कैसे रखें? लंच पैक करते समय किन बातों का ध्यान रखें? टिफिन में खाना लंबे समय तक ताजा रखने के लिए, लंच पैक करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सही खाने का चयन करें:

जल्दी खराब होने वाली चीजों से बचें और सूखी सब्जियां, पराठे, या इडली जैसे विकल्प चुनें।

सही टिफिन बॉक्स का उपयोग करें:

इंसुलेटेड टिफिन बॉक्स या थर्मल बैग का उपयोग करें ताकि खाना गर्म रहे।

ठंडा करके पैक करें:

गर्म खाना सीधे टिफिन में न भरें, थोड़ा ठंडा करके पैक करें।

सही तरीके से पैक करें:

अलग-अलग खाने के लिए अलग-अलग कंटेनर का उपयोग करें ताकि वे आपस में न मिलें और खाना खराब न हो।

पुलिस अधीक्षक ने ज्वैलर्स व आढ़तियों के साथ सुरक्षा के मापदंडों के बारे में चर्चा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

महिपाल सिंह

हरियाणा: अपराधों और अपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए आमजन और पुलिस प्रशासन को मिलकर काम करना होगा। पुलिस अपना काम कर रही है, इसके साथ-साथ आमजन का सहयोग मिले तो अपराधों को रोकना और भी आसान होगा।

ये बातें वीरवार को पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर आईपीएस ने जिला के ज्वैलर्स एसोसिएशन व आढ़तियों के साथ सुरक्षा के मानकों पर चर्चा करते हुए बैठक के दौरान कही। पुलिस अधीक्षक ने बैठक में अपील करते हुए कहा कि ज्वैलर्स शॉप व आढ़ती की दुकान पर पुलिस विभाग के महत्वपूर्ण नंबरों की सूची जरूर लगवाएं। इसके साथ ही ज्वैलर्स व आढ़ती अपने-अपने कार्यस्थल पर हाई रेजोल्यूशन के कैमरे लगवाएं, जिसमें ज्यादा से ज्यादा दिनों की रिकॉर्डिंग सेव रह सके। कैमरों की फुटेज साफ हो, जिससे अपराधियों की पहचान करने तथा उन्हें पकड़ने में आसानी होगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए ज्वैलर्स व अन्य व्यापारियों का सहयोग बेहद जरूरी है। ज्वैलर्स शॉप व आढ़ती की दुकान पर कार्यरत कच्चे कर्मचारियों तथा चौकीदार की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाएं। ज्यादा कैश लाने-ले जाने पर पुलिस कंट्रोल रूम में सूचित करें ताकि सुरक्षा व्यवस्था समय पर उपलब्ध करवाई जा सके। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि वर्तमान समय नई तकनीक का है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रायः देखने में आता है कि प्रतिष्ठानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का एंगल सिर्फ सुरक्षा के मध्यनजर उनके दुकान तक सीमित रहता है। उन्होंने सभी से उच्च तकनीक वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने व उनकी कवरेज प्रतिष्ठान के मुख्य सड़क पर रखने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस उनकी सुरक्षा को लेकर और बेहतर सेवा देने के लिए सदैव तत्पर है।

उत्तर प्रदेश: भाजपा नेता विजय शाह के ऊपर कायम हो देशद्रोह का मुकदमा : अमरजीत यादव

अमरजीत यादव

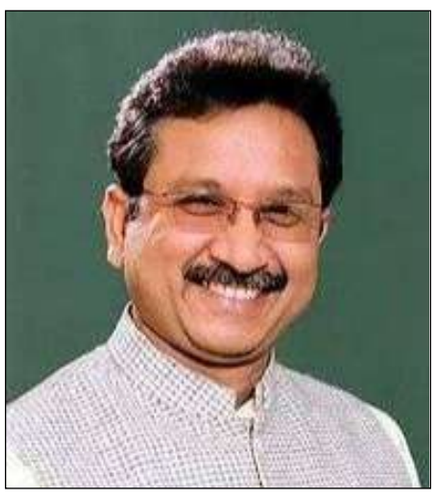

उत्तर प्रदेश: हमारे देश में ऑपरेशन सिंदूर में अपना भरपूर योगदान कर देश की रक्षा एवं स्वाभिमान हेतु समर्पित बहन सोफिया कुरैशी के ऊपर अभद्र टिप्पणी करने वाले आतंकवादियों की बहन कहने वाले भाजपा के विधायक विजय शाह के ऊपर देशद्रोह का मुकदमा कर उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री जी को इस देशद्रोही के बयान पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

मोदी जी, जवाब दीजिए। कहा गया नारी सम्मान और सैनिक सम्मान का संकल्प। राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो पूरे देश में इसके खिलाफ आंदोलन होना चाहिए। जब तक विजय शाह के ऊपर कार्रवाई नहीं हो जाती। यही हमारा देश है कि दाल मांगने वाले सैनिक के ऊपर देशद्रोही कहकर कार्रवाई हो जाती है और दाल पैदा करने वाले किसानों के ऊपर अपने हक अधिकार मांगने पर देशद्रोही कहकर मुकदमा हो जाता है। लेकिन इस तथाकथित रामराज में अत्याचार करने वालों पर नहीं, अत्याचार सहने वालों पर कार्रवाई होती है।

कितना बड़ा दुर्भाग्य है कि हमारे देश के सत्ता के मद में चूर नेता और मंत्री को क्या बोलना चाहिए, यह भी पता नहीं है। इसलिए देश के नौजवान, किसान और मजदूर सभी लोगों को यह संकल्प लेना चाहिए कि मैं हर देशवासियों को आजादी मिली है, उसे आजादी की सीमा वहीं समाप्त हो जाती है, जहां किसी दूसरे की आजादी को बाधा उत्पन्न होती है।

हत्या, लूट, चोरी जैसे मामलों का खुलासा नहीं कर पा रही मुगलसराय पुलिस

नंद कुमार गुप्ता

उत्तर प्रदेश: चंदौली मुगलसराय पुलिस पूर्ण के जघन्य अपराधों के मामले के खुलासे में फिसरी साबित हो रही है। हत्या, लूट, चोरी जैसे मामलों का अभी तक आवरण नहीं हो सका है। इंस्पेक्टर सहित पुलिसकर्मी नगर में लगने वाले जाम छुड़ाने में ही मस्त नजर आ रहे हैं।

बड़ी वारदातों का खुलासा नहीं हो सका है। मुगलसराय का बाइक हत्या कांड अभी तक रहस्य बना हुआ है। बीते 10 अगस्त को बाइक मिस्त्री ओम प्रकाश गुप्ता को सनसनीखेज तरीके से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह घटना अभी तक पुलिस के लिए पहली बनी हुई है।

सपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष गर्गी पटेल के घर हुई भीषण चोरी के मामले में भी पुलिस के हाथ अभी तक खाली हैं। इसके अलावा लोहरा में सोनार की दुकान में हुई चोरी, रौआना गांव में गोदाम में हुई चोरी सहित कई मामले हैं जिनके खुलासे का इंतजार है। इसके अलावा बाइक चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं।

अस्पताल की शर्मनाक तस्वीर, 9 वर्षीय बेटा अपनी मां के लिए खून से भरा थैला पकड़े दिखा

राजपूत रणजीत/गुजरात: सरकारी अस्पतालों का खराब प्रबंधन और अमानवीय लापरवाही एक बार फिर चर्चा में आ गई है। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर करती है। इस तस्वीर में एक मासूम बच्चा अपनी बीमार मां के लिए खून की बोतल पकड़े खड़ा है, जबकि उसका पिता स्ट्रेचर खींचकर उसे एक्स-रे विभाग ले जा रहा है। दुखद बात यह है कि इलाज में लापरवाही के कारण महिला की जान चली गई। सीएमओ डॉ. सचिन माहुर ने प्रारंभिक जांच के बाद पांच कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

सम्पादकीय

ट्रंप हमारे ठेकेदार नहीं

क्या अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत-पाकिस्तान के मसलों के ठेकेदार हैं? क्या अमरीका की रणनीतिक दोस्ती के मायने और निहितार्थ यही हैं? क्या अमरीका से दोस्ती खतरनाक और दुश्मनी घातक है? आखिर ट्रंप की मध्यस्थता की मंशा क्या है? दरअसल ये तमाम सवाल स्वाभाविक हैं। युद्धविराम पर विपक्ष यही सवाल कर रहा है। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधनों में 'युद्धविराम' या 'सीजफायर' शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है, लेकिन गोलीबारी न करने अथवा सैन्य कार्रवाई न करने का समझौता दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच हुआ है। जाहिर है कि संबद्ध प्रधानमंत्री ने ऐसे निर्देश दिए होंगे! फिलहाल हमलों की गर्जनाएं दोनों तरफ शांत हैं। यही तो युद्धविराम है। सवाल पूछे जा रहे हैं कि भारत-पाक द्वारा अधिकृत घोषणा करने से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धविराम की घोषणा कैसे कर दी? और प्रधानमंत्री मोदी इस पर बयान देकर संदेहों और सवालों को खत्म क्यों नहीं कर रहे हैं? हमें 1971 का दौर भी याद आ रहा है, जब 16 दिसंबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अचानक युद्धविराम की घोषणा कर दी थी। भारत-पाकिस्तान युद्ध जारी था और हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान की फौज का कचूमर निकाल दिया था। करीब 93,000 पाक सैनिकों को आत्मसमर्पण करना पड़ा था। तब भी भारतीय सेना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आगे बढ़ सकती थी। भारत अपने कब्जाए कश्मीर को वापस अपने अधिकार-क्षेत्र में ले सकता था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री ने युद्ध को रोक दिया। यही नहीं, 1972 में शिमला समझौता वार्ता में भी कश्मीर का कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया। मौजूदा दौर में भी ऐसे ही सवाल हैं कि भारत पाक अधिकृत कश्मीर तक पहुंच कर अपना हिस्सा वापस ले सकता था, पाक फौज को और भी कुचला और तबाह किया जा सकता था, ऐसे में अमरीका की ओर से क्या दबाव दिया गया कि युद्धविराम घोषित करना पड़ा? भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने भी लीपापोती वाला स्पष्टीकरण दिया है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से अमरीकी उपराष्ट्रपति वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो आदि ने फोन पर बातचीत की, लेकिन व्यापार संबंधी कोई बात नहीं हुई।

राष्ट्रपति ट्रंप व्यापार की धमकी दे रहे हैं कि उसी आधार पर उन्होंने युद्धविराम के लिए भारत-पाक को सहमत कर लिया। व्यापार का संदर्भ है, तो भारत-अमरीका के बीच करीब 10 लाख करोड़ रुपए का ही कारोबार होता है। भारत करीब 6.50 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करता है, जबकि करीब 3.50 लाख करोड़ रुपए का आयात किया जाता है। अमरीका और पाकिस्तान के दरमियान करीब 61,989 करोड़ रुपए का व्यापार किया जाता है। अमरीका से करीब 43,307 करोड़ रुपए का आयात पाकिस्तान करता है। छोटा हिस्सा पाकिस्तान निर्यात करता है। क्या सिर्फ इसी आधार पर कोई देश युद्धविराम सरीखा अमरीकी निर्देश मान सकता है? भारत-अमरीका के बीच व्यापार-सौदे की बातचीत जारी है। दोनों देश अपना कारोबार 500 अरब डॉलर तक ले जाना चाहते हैं। चीन के साथ व्यापारिक खुन्नस के मद्देनजर दक्षिण एशिया में भारत ही एकमात्र विकल्प है अमरीका के लिए। इतने विराट बाजार को अमरीका नाराज नहीं कर सकता। ट्रंप ने अपनी चुनाव रैलियों के दौरान अमरीकी जनता को आश्वस्त किया था कि राष्ट्रपति बनने के 24 घंटों में ही वह रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा देंगे। राष्ट्रपति बने चार माह हो चुके हैं। अमरीका ईरान को भी दबाव में नहीं ले सका। यूरोपीय देश भी अमरीका से खिन्न हैं और अपनी ताकत को लामबंद करने में जुटे हैं। यही नहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि कश्मीर समाधान के लिए मिल कर काम करेंगे। यह ठेकेदारी किसने सौंपी? भारत की विदेश नीति रही है कि वह द्विपक्षीय मामलों में किसी तीसरे का दखल नहीं चाहता। शिमला समझौते का भी यह प्रावधान है कि कश्मीर पर किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। जो भी मसले हैं, दोनों देश आपस में सुलटा लेंगे। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, हमारी पहचान है, हमारे देश की अखंडता और संप्रभुता का प्रतीक है, राष्ट्रपति ट्रंप को मध्यस्थता की ठेकेदारी किसने दी है? अमरीकी राष्ट्रपति के बयान हमारी संप्रभुता और निर्वाचित प्रधानमंत्री को अपमानित कर रहे हैं। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? बेशक संयुक्त राष्ट्र में अमरीका ने 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई' में भारत का लगातार समर्थन किया है, लेकिन उसे बेलगाम नहीं छोड़ा जा सकता।

डिजिटल पर्दे पर कामुकता की तिजारत!

-सोनम लववंशी-

संस्कृति, चेतना और सामाजिक अनुशासन की तमाम परंपराएं उस समय ठिठककर खड़ी रह जाती हैं, जब किसी समाज में नंगई को 'स्वतंत्रता, अश्लीलता को 'प्रयोग', और उत्तेजना को 'रचनात्मकता' कहकर स्वीकार कर लिया जाता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म के उल्लू एप पर प्रसारित हो रहा एक शो 'हाउस अरेस्ट' इसी अंधेरे की ओर हमारा ध्यान खींचता है, जहाँ मनोरंजन के नाम पर मूल्यों की अर्थी सजाई जा रही है। 20 अप्रैल, 2025 से प्रसारित यह शो, जिसे होस्ट कर रहे हैं पूर्व बिग बॉस प्रतिभागी एजाज खान केवल एक रियलिटी शो नहीं, बल्कि समाज के उस गिरते हुए मानसिक धरातल की गवाही है, जहाँ टास्क के नाम पर प्रतियोगियों से अंतरंग मुद्राओं का अभ्यास करवाया जा रहा है। कैमरे के सामने, कपड़े पहनकर गरिमा को तार - तार किया जा रहा है। शो की एक क्लिप में जब एक महिला प्रतिभागी मासूमियत से अपनी जानकारी 'डॉग पोजीशन' या 'अप-डाउन' जैसे शब्दों में व्यक्त करती है, और दर्शकों की वाहवाही पाती है, तब प्रश्न यह उठता है कि क्या अब शालीनता बासी विषय हो चुका है?

वास्तव में यह शो एक सतही प्रवृत्ति की उपज है, जहाँ न सामाजिक उत्तरदायित्व है, न रचनात्मक विवेक। नारी-पुरुष संबंधों की मयार्दा को जिस चंचलता और अश्लील चेष्टाओं के सहारे टास्क बनाया गया है, वह दशार्ता है कि अब वयस्क कंटेंट और विवेकहीन कंटेंट में कोई अंतर नहीं रहा। यह केवल शो नहीं, चेतना पर आघात है एक ऐसी पीढ़ी के नाम जो यह देख रही है, सीख रही है, और आगे यही बनना चाह रही है। ऐसी सामग्री का मनोवैज्ञानिक असर गहरा और दीर्घकालिक होता है। किशोरावस्था में जब पहचान और सोच का निर्माण हो रहा होता है, तब इस तरह के दृश्य मस्तिष्क में यौनिकता की विकृत छवियाँ अंकित कर देते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नाबालिगों द्वारा किए गए यौन अपराधों में पिछले 5 वर्षों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। क्या यह महज संयोग है कि उसी दौर में इंटरनेट और ओटीटी पर इस तरह की सामग्री की बाढ़ आई? भारत में 2023 के आंकड़ों के अनुसार, 43 प्रतिशत ओटीटी दर्शक वयस्क सामग्री को प्राथमिकता देते हैं। यही तथ्य प्लेटफॉर्म्स की रणनीति बन चुका है जहाँ भावनात्मक संबंध नहीं, केवल शरीर की 'संभावनाओं' को भुनाया जाता है और यही वह खतरनाक मोड़ है, जहाँ एक समाज अपने नैतिक संतुलन को खो देता है।

'हाउस अरेस्ट' जैसे कार्यक्रम केवल क्षणिक उत्तेजना का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक आदर्शों को दीमक की तरह खोखला कर रहे हैं। नारी को केवल दृश्य माध्यम का उपकरण बना देना, उसके अस्तित्व को ह्यकंटेंटह्ण में सीमित कर देना, वह भी स्वयं की स्वीकृति के साथ ये वह चुप्पी है जो आने वाले समय में सामाजिक विस्फोट का कारण बन सकती है। विडंबना यह है कि इसे 'बोल्डनेस', 'ओपन माइंडेडनेस' और 'फ्रैंकनेस' जैसे शब्दों की चमकदार चादर में लपेट दिया गया है और अगर कोई प्रश्न करे, तो वह 'पिछड़ा', 'रूढ़िवादी' या 'मॉरल पुलिस' करार दिया जाता है। लेकिन क्या सभ्यता इतनी उन्नत हो चुकी है कि अब विवेक पर प्रश्नचिह्न लगाना अपराध हो गया है? 'हाउस अरेस्ट' केवल एक मंच नहीं, यह एक समाजशास्त्रीय चेतावनी है जो एक संकेत है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अगर इन दृश्यों में 'टास्क' देखती है और सम्मान, संबंध, मयार्दा जैसे शब्द उसे बेमानी लगने लगते हैं, तो फिर यह नासमझी नहीं, हमारी चूक है। यहाँ सवाल केवल किसी एक शो का नहीं है, बल्कि उस सोच का है जो इसे जन्म देती है, बढ़ावा देती है और उसे सामान्य मानने लगती है। जब सरकारें केवल 'आत्म-नियमन' की बात करती हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स व्यावसायिक लाभ के लिए किसी भी सीमा को लांघते हैं, तब मूल्यों का अपमान भी एक व्यापारिक रणनीति बन जाता है।

मोदी-उद्बोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान

-ललित गर्ग-

> पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे।

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में न केवल पाकिस्तान को चेताया बल्कि उसको उसकी जमीन भी दिखायी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रखर एवं प्रभावी नीति को पूरी दुनिया के सामने बड़ी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा। उनका संबोधन न केवल भारत की भावना की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह हमारे देश के सैन्य, कूटनीतिक, नैतिक बल की प्रस्तुति एवं दो सौ अस्सी करोड़ तनी हुई मुट्ठियों की चेतावनी भी है। यह कोरा उद्बोधन नहीं, बल्कि एक जागृत राष्ट्र के साहस एवं हौसलों की उड़ान है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची और नये पैमाने तय किये। पाकिस्तान की समझौते की गुहार को भी सुना, एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए भारत का यह कदम आशा एवं उम्मीद की बहुत बड़ी किरण है। लेकिन पाकिस्तान पर एक्शन सिर्फ स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। 22 मिनट का यह संबोधन पाकिस्तान के लिये एक सीख भी है और सबक भी। साथ ही यह एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की भी उन्होंने खुल कर सराहना की एवं वीरगाथा सुनाई है। भारतीय सेनाओं पर जहां पूरे देश को नाज है, वहीं प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व पर समूचे देश को भरोसा है और आज हमारा देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के समूल नाश के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। सिंदूर पोंछने का अंजाम अब हर आतंकी को पता चल गया है। मोदी ने साफ किया कि अब वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा और इस बार का प्रहार विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा।

पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। मोदी ने स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज के साम्प्रदायिक सौहार्द एवं समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने साहस एवं निर्भीकता से पाक की आतंकी मानसिकता को दुनिया के सामने उजागर किया। आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है और भारत ने अपनी शक्ति को दिखाते हुए न केवल पाकिस्तान को पस्त किया बल्कि दुनिया को चौंकाया भी है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली एवं सकारात्मक होने का आह्वान है।

मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें इक्कीसवीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है और ये स्थितियां हमने पाक के खिलाफ एक्शन में देख ली है।

मोदी ने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया और कहा कि जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। उन्होंने देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। तब तक तैयार रहेंगे जब तक आतंक के अड्डे खंडहरों में तब्दील नहीं हो जाते। सीमाओं पर शांति इस बात पर निर्भर करेगी कि पाक आतंकवाद को लेकर क्या रवैया अपनाता है। उन्होंने देश की माता-बहनों और बेटियों को आश्वस्त किया कि सरकार का ऑपरेशन सिंदूर उनकी अस्मिता व सुरक्षा के लिये समर्पित था। उस पर किसी कीमत पर आंच नहीं आने दी जाएगी।

आईएएस-आईपीएस अधिकारी और सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव

-मनोज कुमार-

डिजिटल युग में सरकारी अधिकारी सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यह मंच जनता से सीधे जुड़ने, नीतियों की जानकारी देने और जागरूकता फैलाने का सशक्त माध्यम है। हालांकि, व्यक्तिगत ब्रांडिंग और निजता के उल्लंघन की चुनौती भी है। वर्तमान में स्पष्ट दिशा-निर्देशों की कमी से पारदर्शिता और जिम्मेदारी का संतुलन प्रभावित हो रहा है। जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार और स्पष्ट गाइडलाइंस की जरूरत है, ताकि अधिकारियों की पहचान व्यक्तिगत लोकप्रियता से अधिक उनके प्रशासनिक कर्तव्यों से बनी रहे।

आज के डिजिटल युग में आईएएस और आईपीएस अधिकारी सिर्फ सरकारी दफ्तरों तक सीमित नहीं रह गए हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर उनकी उपस्थिति न केवल लोकप्रियता का एक नया पैमाना बन गई है, बल्कि जनता से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम भी बन गई है। दीपक रावत, अभिषेक पल्लव, सृष्टि देशमुख, टीना डाबी और सोनल गोयल जैसे अधिकारी इस बदलते परिदृश्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये अधिकारी न केवल अपने प्रशासनिक कार्यों के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि लाखों की संख्या में फॉलोअर्स से भी जुड़े हुए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह लोकप्रियता उनकी सरकारी जिम्मेदारियों के साथ तालमेल बैठा पाती है?

सोशल मीडिया की शक्ति और जोखिम

सोशल मीडिया का प्रमुख आकर्षण उसकी व्यापक पहुंच और त्वरित संवाद क्षमता है। अधिकारियों के लिए यह जनता तक सीधे पहुँचने, नीतियों की जानकारी देने और जागरूकता फैलाने का एक सशक्त माध्यम हो सकता है। उदाहरण के लिए, दीपक रावत अपने छापामार अभियानों और निरीक्षणों के वीडियो के जरिए जनता में प्रशासनिक पारदर्शिता का संदेश देते हैं। उनका यूट्यूब चैनल ह्यदीपक रावत आईएएसह्ण पर लाखों फॉलोअर्स हैं, जहाँ वे स्कूल बस चेकिंग, पॉलिथीन गोदामों पर छापेमारी और सफाई निरीक्षण जैसे अभियानों की वीडियो साझा करते हैं। इससे जनता में प्रशासन की छवि मजबूत होती है, लेकिन इससे जुड़े कई नैतिक और कानूनी प्रश्न भी हैं।

लोकप्रियता के चक्कर में निजता का हनन

अक्सर देखा जाता है कि इन अभियानों के वीडियो में आम नागरिकों की पहचान और निजी जानकारी भी अनजाने में सार्वजनिक हो जाती है। उदाहरण के तौर पर, अभिषेक पल्लव जैसे अधिकारी जब सड़क पर किसी वाहन चालक को फटकार लगाते हैं, तो उस व्यक्ति की निजता का हनन हो सकता है। यह सिर्फ नैतिक सवाल नहीं है, बल्कि कानूनी चुनौतियाँ भी खड़ी कर सकता है। यह मुद्दा और गंभीर हो जाता है जब आम नागरिकों के निजी क्षण कैमरे में कैद होकर लाखों लोगों तक पहुँचते हैं। क्या यह अधिकारियों की जिम्मेदारी नहीं है कि वे इस तरह के वीडियो पोस्ट करने से पहले सावधानी बरतें?

ब्यूरोक्रेसी का मूल सिद्धांत और सोशल मीडिया

दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर विजेंद्र चौहान के अनुसार, "ब्यूरोक्रेसी का सबसे प्रमुख सिद्धांत एनोनिमिटी यानी गुमनामी है। अधिकारी पद से जुड़े होते हैं, न कि व्यक्तिगत ब्रांड से।" इस सिद्धांत के अनुसार, सरकारी अधिकारी का काम व्यक्तिगत प्रचार से अधिक उसके पद की जिम्मेदारियों को निभाना है। लेकिन सोशल मीडिया पर बढ़ती उनकी सक्रियता इसे चुनौती देती है। हाल के वर्षों में, खासकर कोरोना काल के बाद, अधिकारियों की लोकप्रियता बढ़ी है। एक ओर जहाँ वे जनता के साथ सीधे संवाद कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके व्यक्तिगत ब्रांड का निर्माण भी हो रहा है।

नियमों की कमी और विवाद

फिलहाल, भारत में सरकारी अधिकारियों के सोशल मीडिया उपयोग के लिए कोई स्पष्ट और कठोर दिशा-निर्देश नहीं हैं। केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली इसे सामान्य रूप से नियंत्रित करती है, लेकिन इसका अनुपालन अक्सर कमजोर रहता है। हाल ही में, मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ने प्रशिक्षु अधिकारियों के सोशल मीडिया उपयोग पर दिशा-निर्देश जारी किए, लेकिन ये केवल प्रशिक्षण अवधि तक सीमित हैं। इसी तरह, उत्तर प्रदेश पुलिस ने भी अपने कर्मियों के लिए सोशल मीडिया गाइडलाइंस जारी की हैं, जिनमें वर्दी पहनकर वीडियो न बनाने और ड्यूटी के समय सोशल मीडिया का उपयोग न करने की सख्त हिदायतें दी गई हैं।

सकारात्मक उपयोग की संभावनाएँ

आईएएस अधिकारी इरा सिंघल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल मुख्य रूप से सामाजिक संदेश देने, महिलाओं को प्रेरित करने और छात्रों की काउंसलिंग के लिए किया है। वे कहती हैं, "अगर आप सोशल मीडिया को अच्छे काम के लिए इस्तेमाल करते हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।" वे अपने फॉलोअर्स के साथ परीक्षा तैयारी, करियर मार्गदर्शन और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा करती हैं। यह दिखाता है कि सोशल मीडिया केवल व्यक्तिगत लोकप्रियता का साधन नहीं है, बल्कि एक सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम भी हो सकता है। सोशल मीडिया का प्रभाव निस्संदेह बढ़ता जा रहा है, लेकिन इसके उपयोग में संतुलन और संयम भी आवश्यक है। सरकारी अधिकारियों को अपनी पहचान व्यक्तिगत लोकप्रियता से अधिक उनके प्रशासनिक कर्तव्यों से बनानी चाहिए। वरना, यह डिजिटल चमक कई बार वास्तविक कर्तव्यों की छाया में दबकर रह सकती है। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि जनता का विश्वास और सम्मान केवल लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उनकी पारदर्शिता, निष्ठा और निष्पक्षता से जुड़ा होता है। यदि इस शक्ति का जिम्मेदारी से उपयोग किया जाए, तो यह न केवल उनकी प्रशासनिक क्षमता को मजबूत करेगा, बल्कि समाज में एक सकारात्मक बदलाव का भी मार्ग प्रशस्त करेगा। कुल मिलाकर, डिजिटल युग में, यह संतुलन ही उनकी सच्ची पहचान और जिम्मेदारी का प्रमाण बनेगा।

शांति और धैर्य से देश हमेशा आगे बढ़ेगा

-संजय गोस्वामी-

ऑपरेशन सिंदूर मे भारत के प्रधानमंत्री जी का संदेश सुना और बताया कि आतंकवादी व पिओके पर ही पाकिस्तान पर बात होगी और भारतीय सेनानी को इसका श्रेय जाता है बहुत ही अच्छा संदेश राष्ट्र के नाम और कल होकर सैनिकों से मिलना भी भारत के शानदार सफलता का प्रतिक है इसमें भारत के वैज्ञानिकों का भी कहीं ना कहीं उनकी टेक्नोलॉजी के ऊपर भी गर्व है जिसमें इसरो डीआरडीओ,डीएई आदि जैसे श्रेष्ठ वैज्ञानिक संस्थान भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है भारत ने जो ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान में फैले आतंकवादी के लिए किया और भारतीय सेनाओं की मेहनत और लोगो की एकजुटता थी इस सन्दर्भ में एल ओसी पर 50निर्दोष लोग भी मारे गए है पाकिस्तान को चाहिए था ऑपरेशन सिंदूर के बाद शांति से बैठना चाहिए क्योंकि ऐ आतंकवादी पर अटैक था पाकिस्तान पर नहीं लेकिन जबाबी कार्यवाही में उसे नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन यह खबर सही नहीं है कि उनके परमाणु सयंत्र पर कोई अटैक हुआ हो ऐ सब न्यूज में बेकार की खबरें हैं इसलिए इस मुद्दे पर कुछ भी कहना सही नहीं है क्योंकि जब भी दो देश परमाणु संपन्न रहते हैं तो वो एक से दूसरे देश पर प्रतिस्ठानो की सूची देते हैं और एक एग्रीमेंट होता है कि एक देश दूसरे देश पर परमाणु सयन्त्र पर हमला नहीं करेंगे सोशल मीडिया को इस खबर से बचना चाहिए इसको रोकना चाहिए मीडिया को अब शांति से काम लेना चाहिए क्योंकि जो भी परमाणु सयंत्र होता है वो ऐसा बनाया जाता है कि उसमें भूकंप होने पर भी कोई असर ना हो और जहाँ तक रेडियोएक्टिव रिसाव की बात है वो तो हवा में जायेगा अतः ऐ बाद में आस पास के कहीं भी जगह फैल सकता है इसपर आई ए ई ए की कड़ी निगरानी रहती है और जहाँ परमाणु प्लांट रहता है वहाँ अलार्म सिस्टम भी होता है जो हो गया सो हो गया एक दूसरे पर वार और हार पर शांत रहना चाहिए सेना पर विश्वास रखना चाहिए धर्म के नाम पर बहुत से देश इसका समर्थन कर दे देते हैं हमारे सभी धर्मों के लोग भारत के समर्थन में रहें और देश की एकता से ही सबों में भय दूर होगा और एक ही धर्म है भारतवासी अपने मात्रभूमि के लिए लड़ना और मरना, अतः संयम और शांति से देश की प्रगति में सभी योगदान दें विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है ऐ आपकी सुरक्षा के लिए जरुरी है लेकिन जब तब कोई देश ने आप पर परमाणु हमला करता तब एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएएइस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों ?ा इससे भी अधिक रहता हैव जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता हैए इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है। इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है। वहाँ परिवार और समाज में स्नेह, आत्मीयता,भाईचारे की भावना के साथ सहयोग एवं सहानुभूति कर संकल्प लिया जाय तो इन्सान का जीवन स्वर्गमय बन सकता है। ऐसे इन्सान को सुख, चैन, शान्ति से जीवनयापन करने से कोई रोक नहीं सकता।निःशस्त्रीकरण आज की मांग है। इस बात की आवश्यकता है कि उचित निदान द्वारा विश्वजनित मतभेदों को भुलाकर अशांति का माहौल खत्म किया जाए। अतः अब शांति व धैर्य से ही देश में खुशहाली होगी हमें दूसरे देश पर निर्भरता कम करनी चाहिए क्योंकि हमारे देश में टैलेंटेड लोगो की कमी नहीं है.अतः अब सचेत होकर अपने आप को विश्व पटल पर रक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना है और अब शांति से काम करने की जरुरत है क्योंकि देश की तरक्की हमेशा आतंकमुक्त होकर तकनिकी विकास से ही आगे बढ़ेगा.प्रधानमंत्री जी ने अपने संदेश में जो कहा की बुद्ध की तरह शांति भी चाहिए लेकिन आतंकवादी से निपटने के लिए युद्ध भी चाहिए अतः ऐ संदेश देशहित में है और देश ही सर्वोपरि है।

संक्षिप्त समाचार

चौथे दौर की परमाणु वार्ता से अमेरिका व ईरान उत्साहित

तेहरान, एजेंसी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिकी व ईरानी प्रतिनिधियों के बीच रविवार को चौथे दौर की बैठक हुई। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि वार्ता के दौरान विभिन्न मुद्दों को लेकर अमेरिकी व ईरानी वार्ताकार उत्साहित हैं। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसी हफ्ते पश्चिम एशिया का दौरा करने वाले हैं। ओमान की राजधानी मस्कट में यह वार्ता ओमानी अधिकारियों की मध्यस्थता में करीब तीन घंटे चली। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई के हवाले से सरकारी टेलीविजन ने बताया कि वार्ता लंबी चली और अगले दौर की वार्ता के लिए चर्चा जारी है। हालांकि, बघाई ने ब्योरा नहीं दिया। बंद कमरे में हुई बातचीत के बारे में एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, वार्ता को जारी रखने पर सहमति बनी है। इसमें तकनीकी पहलुओं पर काम किया जाएगा। हम आज के परिणाम से उत्साहित हैं और अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो निकट भविष्य में होगी।

गाजा में बचे आखिरी अमेरिकी बंधक की रिहाई होगी, गाजा-इजराइल के बीच हमले जारी

गाजा, एजेंसी। हमास ने रविवार को घोषणा की कि वह गाजा में जीवित बचे अमेरिकी बंधक, एडन अलेक्जेंडर को रिहा करेगा। एडन एक इजरायली-अमेरिकी सैनिक है। जिसका 7 अक्टूबर 2023 को अपहरण कर लिया गया था। डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा कि 21 वर्षीय अलेक्जेंडर अपने परिवार के पास घर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- यह अमेरिका और मध्यस्थों (कतर और मिस्र) के प्रयासों के बाद यह कदम उठाया गया था, ताकि इस युद्ध को खत्म किया जा सके और सभी जीवित बंधकों को उनके घर भेजा जा सके। हालांकि, गाजा में इजराइली हमले अब भी बंद नहीं हुए हैं। 11 मई को हुए इजराइली हमलों में 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

मेक्सिको की बाजा कैलिफोर्निया की गवर्नर और उनके पति के अमेरिकी टूरिस्ट वीजा रद्द

सैक्रामेण्टो, एजेंसी। मेक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया राज्य की गवर्नर मरीना डेल पिलर एविला ओल्मेडा ने रविवार को सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने उनके और उनके पति के टूरिस्ट वीजा रद्द कर दिए हैं। गवर्नर ने इस कदम के कारण का खुलासा नहीं किया, और न ही अमेरिकी दूतावास ने इस मामले पर कोई टिप्पणी की है। गवर्नर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि यह स्थिति दोनों के लिए संतोषजनक तरीके से स्पष्ट हो जाएगी। बता दें कि बाजा कैलिफोर्निया राज्य कैलिफोर्निया से सीमावर्ती है, और दोनों राज्यों के बीच व्यापारिक रिश्ते काफी गहरे हैं।

अर्जेंटीना के सुप्रीम कोर्ट को नाजी शासन से जुड़े अभिलेख मिले

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के सुप्रीम कोर्ट को अपने अभिलेखों में नाजी शासन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं, जिसमें प्रचार सामग्री भी शामिल है जिसका इस्तेमाल दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र में एडॉल्फ हिटलर की विचारधारा को फैलाने के लिए किया गया था, अदालत के एक न्यायिक अधिकारी ने रविवार को एसोसिएटेड प्रेस को बताया। न्यायिक अधिकारी ने कहा कि अदालत को यह सामग्री तब मिली जब वह अपने ऐतिहासिक दस्तावेजों के साथ एक संग्रहालय बनाने की तैयारी कर रहा था। अधिकारी ने आंतरिक नीतियों के कारण नाम न बताने का अनुरोध किया। दस्तावेजों में उन्हें जर्मन शासन से पोस्टकार्ड, तस्वीरें और प्रचार सामग्री मिली। अधिकारी ने कहा कि कुछ सामग्री का उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अर्जेंटीना में एडोल्फ हिटलर की विचारधारा को मजबूत करना और उसका प्रचार करना था। माना जाता है कि ये बक्से 20 जून, 1941 को ब्यूनस आयर्स में 83 पैकेजों के आगमन से संबंधित हैं, जिन्हें टोक्यो में जर्मन दूतावास द्वारा जापानी स्टीमशिप नान-ए-मारू पर भेजा गया था।

अमेरिका में लिस्टेरिया प्रकोप में 10 लोग बीमार

लिस्टेरिया, एजेंसी। अमेरिकी संघीय अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका में कम से कम 10 लोग तैयार खाद्य उत्पादों से जुड़े लिस्टेरिया प्रकोप में बीमार हुए हैं और एक निर्माता स्वेच्छा से कई उत्पादों को वापस बुला रहा है। यू.एस. खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने शनिवार को कहा कि संघीय, राज्य और स्थानीय अधिकारी सैन फर्नांडो, कैलिफोर्निया के फ्रेश रेडी फूड्स एलएलसी द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थों से जुड़े प्रकोप की जांच कर रहे हैं। एफडीए का कहना है कि बीमार पड़ने वाले 10 लोग कैलिफोर्निया और नेवादा में थे, और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता थी। एजेंसी ने कहा कि ये उत्पाद एरिजोना, कैलिफोर्निया, नेवादा और वाशिंगटन में खुदरा विक्रेताओं और खाद्य सेवा बिक्री बिंदुओं सहित अस्पतालों, होटलों, सुविधा स्टोर, हवाई अड्डों और एयरलाइनों द्वारा बेचे गए थे। लिस्टेरिया के लक्षण आमतौर पर दूषित भोजन खाने के दो सप्ताह के भीतर शुरू होते हैं। हल्के मामलों में बुखार, मांसपेशियों में दर्द, मतली, थकान, उल्टी और दस्त शामिल हो सकते हैं, जबकि अधिक गंभीर लक्षणों में सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, भ्रम, संतुलन की कमी और ऐंठन शामिल हो सकते हैं।

पाकिस्तान में अपनी सेना तैनात करेगा चीन

पहले किया विरोध... जिनपिंग ने दिखाई आंख तो ढीले पड़े शहबाज

बीजिंग, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान युद्ध की दहलीज पर खड़े हैं और फिलहाल अपने कदम पीछे खींचते दिख रहे हैं। दोनों देश लगभग युद्ध की स्थिति में थे। लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की इस स्थिति में चीन ने एक बार फिर वही किया जिसके लिए वह जाना जाता है, दोहरा खेल। ऊपर से देखने पर भले ही ऐसा लगे कि चीन ने शांति और बातचीत पर जोर देकर कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश की है, लेकिन खिड़की के अंदर खड़े होकर देखने पर पता चलता है कि चीन दरअसल दोहरा खेल खेल रहा है। शिन्हुआ विश्वविद्यालय के माओ केई और साउथ एशियन रिसर्च ग्रुप के चेन झोउ ने चीनी वेबसाइट गुआंचा में एक लेख लिखा है। जिसमें उन्होंने अक्साई चिन में चीनी सैनिकों की तैनाती की बात कही है और लिखा है कि ये चीनी सैनिक दरअसल भारत और पाकिस्तान के बीच एक बड़े युद्ध को रोकने के लिए वहां मौजूद हैं।

इस लेख में दोनों ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच चीन की कूटनीति को समझाने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा कि कुछ हद तक, चीन भारतीय कार्रवाई से पहले पाकिस्तान को मजबूत समर्थन जारी करके भारतीय आक्रामकता को रोकना चाहता था, लेकिन एक बार जब भारत ने कार्रवाई शुरू कर दी, तो ऐसे बयानों के लिए कोई जगह नहीं थी। उसके बाद बीजिंग को कड़ी चेतावनी जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। इसके बजाय, वह बातचीत का आग्रह करने और शांति को बढ़ावा देने के अपने पारंपरिक रुख पर लौट आया। उन्होंने लिखा कि बयानबाजी में यह सूक्ष्म बदलाव क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति चीन की गहरी

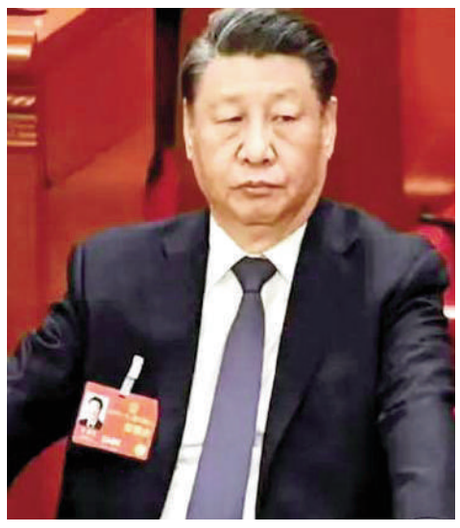

चिंता और जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है।

चीन की दोहरी कूटनीति

उन्होंने लिखा कि इससे पहले पाकिस्तान के बयानों का समर्थन करके चीन ने भारत पर कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई न करने के लिए अप्रत्यक्ष दबाव बनाने की कोशिश की थी। जब भारत ने सीमित सैन्य कार्रवाई शुरू की, तो बीजिंग अपनी पारंपरिक शांति की भाषा पर लौट आया। उन्होंने लिखा है कि चीन का यह रवैया उसकी परंपराओं के अनुरूप है, जिसमें वह क्षेत्रीय शांति चाहता है। इस लेख के अनुसार, चीन की इस रणनीति का उद्देश्य भारत जैसी मजबूत पार्टी को पहले ही गंभीर चेतावनी देना था, ताकि वह गंभीर सैन्य कार्रवाई करने से बच जाए। इस नीति के तहत, पाकिस्तान को व्यावहारिक रूप से लाभ पहुंचाया गया, क्योंकि वह एक कमजोर देश है। दूसरे शब्दों में, पाकिस्तान को कमजोर पक्ष बताकर चीन उस आतंकवाद का समर्थन कर रहा है, जिसके खिलाफ भारत लड़ रहा है। यानी अगर कोई देश आतंकवाद फैलाता है और कमजोर है तो क्या उसकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए?

लेकिन शांति की बात करने वाले चीनी विशेषज्ञों ने इस बीच एक विवादास्पद दावा किया है कि 2020 से चीनी सैनिक भारतीय नियंत्रित कश्मीर के पास तैनात हैं। और उनकी उपस्थिति दक्षिण एशिया में शांति की अंतिम गारंटी बन गई है। यह काफी सनसनीखेज खुलासा है कि चीनी सैनिक पीओके में मौजूद हैं। यानी भारत की सीमा के पास चीनी सैनिकों की मौजूदगी एक बहुत बड़े खतरे को दर्शाती है। यह खुलासा भारत की संप्रभुता और सामरिक स्वायत्तता को चुनौती देता है। यह सिर्फ सैन्य तैनाती नहीं है, बल्कि बीजिंग की ओर से एक धमकी भी है, जिसमें वह यह कहना चाह रहा है कि अगर भारत पीओके को हासिल करने के लिए सैन्य अभियान शुरू करता है, तो उसे कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले चीन की मौजूदगी को ध्यान में रखना होगा। यानी चीन युद्ध की धमकी देकर पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर रहा है।

सेना बोली- हमारी कस्टडी में कोई भारतीय सैनिक नहीं-कहा- ये मीडिया का प्रोपेगैंडा

इस्लामाबाद, एजेंसी। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने पुष्टि की कि हालिया सैन्य झड़पों के बाद पाकिस्तान सेना की हिरासत में कोई भी भारतीय पायलट नहीं है। यह सब सोशल मीडिया की अफवाहें हैं, फेक न्यूज और प्रोपगेंडा का हिस्सा हैं जो कई सोर्स से फैलाया गया है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तानी सेना के ऑपरेशन बनयान-उन-मर्सूस की सफलता पर देशभर में यौम-ए-तशक्कुर मनाया गया। यौम-ए-तशक्कुर एक उर्दू शब्द है, जिसका अर्थ होता शुक्रिया का दिन। पीएम शहबाज ने शनिवार को भारतीय आक्रमण का करारा जवाब देने के लिए पूरे देश में यौम-ए-तशक्कुर मनाने की घोषणा की थी। दोनों देशों में सीजफायर और इससे पहले जारी टकराव के बारे में विस्तार से जानने के लिए नीचे दिए ब्लॉग से गुजर जाइए...

पूर्व विदेश सचिव बोले- भारत पीछे हटने पर मजबूर हुआ

पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव ऐजाज चौधरी ने दावा किया कि पाकिस्तान के कड़ी जवाबी कार्रवाई ने भारत को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। भारत से कश्मीर विवाद को हल करने के लिए बातचीत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच लंबे वक्त से चले आ रहे तनाव को हल करने के लिए यह बातचीत जरूरी है। ऐजाज ने कहा कि तनाव बढ़ाने के बजाए बातचीत ही आगे बढ़ने का एक रास्ता है। अगर भारत बातचीत के लिए बैठता है, तो इससे उन्हें भी फायदा होगा।

मिल्वौकी में मदर्स डे पर अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, चार की मौत; खिड़कियों से निकाले गए लोग

मिल्वौकी, एजेंसी। मिल्वौकी में मदर्स डे पर एक अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। आग कई मंजिलों तक फैल गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। आग इतनी विकराल थी अग्निशमन दल ने लोगों को खिड़कियों से निकाला। मिल्वौकी अग्निशमन प्रमुख आरोन लिप्स्की ने बताया कि आग लगने के कारण 85 फ्लैट वाली इमारत पूरी तरह से बर्बाद हो गई। यहां से 200 लोगों को दूसरे स्थान पर जाने को मजबूर होना पड़ा। अग्निशमन दल को कॉल पर बताया गया कि लोग चार मंजिला इमारत में फंस गए हैं और बचने के लिए दूसरी मंजिल से कूद रहे हैं। लिप्स्की ने कहा कि सबसे पहले पहुंचने वाले अग्निशमन दल भीषण लपटों के सामने फेल हो गए। इसके बाद प्लेटफार्म पर खड़ी अग्निशमन गाड़ियों ने खिड़कियों से लोगों को बचाया, जबकि अन्य अग्निशमन कर्मी अंदर गए। उन्हें कुछ लोगों को बाहर निकालने के लिए हाथों और घुटनों के बल रेंगना पड़ा। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर करीब 30 लोगों को बचाया गया। आग लगने का कारण पता नहीं लग सका है। जल्द ही इसका पता लगा लिया जाएगा। लिप्स्की ने बताया कि 1968 में निर्मित इस भवन का निर्माण उस कानून से पहले हुआ था जिसके अनुसार इसमें स्प्रिंकलर प्रणाली लगाना अनिवार्य था।

जेलेंस्की को रूस से युद्धविराम की उम्मीद, बोले-'मैं तुर्किये में पुतिन का इंतजार करूंगा'

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें सोमवार से रूस के साथ पूर्ण और अस्थायी युद्धविराम की उम्मीद है और वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ''व्यक्तिगत तौर पर'' बातचीत करने के लिए तुर्किये जाएंगे। उनका यह बयान तुर्किये में 15 मई को सीधी बातचीत करने के रूस के हालिया प्रस्ताव को स्वीकारने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूक्रेन पर दबाव बनाए जाने के बाद आया है।

यूक्रेन ने रूस से मांग की थी कि वह वार्ता से पहले सोमवार से 30 दिवसीय युद्धविराम को बिना शर्त स्वीकार करे। इससे पहले, रविवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के सामने 15 मई को तुर्किये के इस्तांबुल शहर में बिना किसी पूर्व शर्त के प्रत्यक्ष रूप से शांति वार्ता करने की पेशकश की, जिसका जेलेंस्की ने स्वागत किया। हालांकि, जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि रूस को पहले युद्धविराम करना होगा। पुतिन ने कहा कि वार्ताओं का उद्देश्य संघर्ष की मूल जड़ को खत्म करना और दीर्घकालिक व टिकाऊ शांति कायम करने पर पहुंचना होगा। पुतिन ने एक संबोधन में कहा, हम तुरन्त वार्ता शुरू करना चाहेंगे, अगले बृहस्पतिवार, 15 मई को, इस्तांबुल में, जहां पहले वार्ताएं आयोजित की गई थीं और जहां उन्हें बाधित किया गया था। उन्होंने कहा कि बातचीत बिना किसी पूर्व शर्त के होनी चाहिए।

2019 के बाद पहली बार सीधी बातचीत करेंगे रुस-यूक्रेन के राष्ट्रपति : पुतिन और जेलेंस्की 2019 में केवल एक बार मिले हैं। युद्ध की शुरुआत में दोनों नेताओं के बीच बातचीत की कोशिश हुई थी मगर ये नाकामयाब रही थी। सितंबर 2022 में यूक्रेन के चार क्षेत्रों को जोड़ने के बाद, जेलेंस्की ने घोषणा की थी कि पुतिन के साथ बातचीत करना बहुत मुश्किल हो गया है।

यूक्रेन-रूस ने एक दूसरे पर तीन दिवसीय सीजफायर के उल्लंघन का आरोप लगाया : 29 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के साथ 3 दिन के एक तरफा सीजफायर का ऐलान किया था। यह सीजफायर 8 मई से लागू हुआ था। इसकी शुरुआत 7-8 मई की रात से हुई और 10-11 मई को आधी रात यह सीजफायर खत्म हो गया। वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन पर युद्ध विराम का 14,000 से अधिक बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। यूक्रेन ने भी रूस पर स्वयं के युद्ध विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। यूक्रेन ने इसे एक तमाशा बताया है। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने 11 मई की रात को 108 ड्रोन और सिम्युलेटर ड्रोन लॉन्च किए। जिसमें से 60 ड्रोन को यूक्रेन ने मार गिराया।

यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को सैन्य समर्थन देने की बात कही : फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और पोलिश प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने 10 मई को कीव में जेलेंस्की से मुलाकात की थी। साथ ही सोमवार से युद्ध विराम के लिए आह्वान किया था। इस योजना को यूरोपीय संघ और ट्रम्प दोनों से समर्थन मिला है। यूक्रेन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के नेताओं ने रूसी राष्ट्रपति को धमकी दी थी कि अगर वे सीजफायर पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो बाकी देश यूक्रेन को सैन्य समर्थन देंगे।

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, दो पुलिसकर्मियों की मौत

पेशावर / इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के साथ चार दिन के संघर्ष के बाद नतमस्तक हुए पाकिस्तान को अपने घर में भी मात मिल रहा है। बता दें कि, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में रविवार रात एक आत्मघाती हमले में दो पुलिसकर्मियों, जिनमें एक सब-इंस्पेक्टर शामिल है, की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मामले में एसएसपी मसूद बंगश ने बताया कि यह हमला चमकनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रिंग रोड पर मौजूद पशु बाजार के पास पुलिस की मोबाइल वैन को निशाना बनाकर किया गया। जिसमें आत्मघाती हमलावर ने खुद को पुलिस वाहन के पास उड़ा लिया।

सीएम अली अमीन ने की हमले की निंदा : वहीं मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही हमले में मारे गए पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा करने वालों पर हमला कायराना हरकत है, पुलिस का हौसला ऐसे हमलों से नहीं टूटेगा।

भारत से पाकिस्तान ने मुंह की खाई : वहीं पाकिस्तान ने स्वीकार करते हुए ये कहा है कि भारत से साथ संघर्ष में उसके एक विमान को नुकसान पहुंचा है। हालांकि पाकिस्तान ने विमान के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति जताई।

पाकिस्तान की हिरासत में नहीं कोई भारतीय पायलट : वायुसेना और नौसेना के अधिकारियों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि ब्रीफिंग का उद्देश्य 'ऑपरेशन बनयान-उम-मर्सूस' के संचालन और समापन के बारे में जानकारी देना था। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान के 'केवल एक विमान' को 'मामूली क्षति' हुई है। वहीं एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कोई भी भारतीय पायलट पाकिस्तान की हिरासत में नहीं है और ऐसी सभी रिपोर्ट 'फर्जी सोशल मीडिया रिपोर्ट' पर आधारित हैं।

मालदीव ने 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के लिए भारत का जताया आभार, अब्दुल्ला खलील बोले- गहरी दोस्ती का प्रतीक

माले, एजेंसी। मालदीव के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्ला खलील ने 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मदद के लिए भारत सरकार और विदेश मंत्री एस. जयशंकर का आभार जताया। उन्होंने मालदीव और भारत के बीच गहरी दोस्ती का जिक्र करते हुए कहा कि यह सहायता हमारी आर्थिक मजबूती में सहयोग देगी।

मालदीव के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्ला खलील ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और भारत सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मालदीव को 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल को रोलओवर करके महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की। उन्होंने आगे कहा, यह समय पर दी गई सहायता मालदीव और भारत के बीच गहरी दोस्ती को दर्शाती है और आर्थिक मजबूती के लिए सरकार के वित्तीय सुधारों को लागू करने के प्रयासों में सहयोग देगी।

मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने बीते साल सितंबर में बताया था कि भारत ने मालदीव सरकार के अनुरोध पर 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल को एक और साल के लिए बढ़ाकर बजटीय सहायता दी है। बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू बीते साल अक्टूबर में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर पांच दिवसीय भारत यात्रा पर आए थे। नवंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने

के बाद यह उनकी पहली यात्रा थी। मालदीव के राष्ट्रपति ने भारत की वित्तीय सहायता के लिए आभार जताया था। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा था, यात्रा का एक महत्वपूर्ण परिणाम व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए विजन को अपनाना था, जो विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों का मार्गदर्शन करेगा। दोनों देशों ने वर्चुअल उद्घाटन भी किया और समझौतों का आदान-प्रदान किया।

बयान में कहा गया था, राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत की वित्तीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, जिसमें इस वर्ष मई और सितंबर में टी-बिलों को मालदीव के लिए बिना ब्याज के एक अतिरिक्त वर्ष के लिए आगे बढ़ाना और द्विपक्षीय मुद्रा स्वैप समझौते के तहत 30 अरब रुपये से 400 मिलियन डॉलर तक का अतिरिक्त समर्थन शामिल है। उन्होंने भारत को उसके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ताकत और आत्मविश्वास दिखी, अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ ने की तारीफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मशहूर विदेश नीति विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय नेतृत्व ने मजबूती, आत्मविश्वास और ताकत के साथ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो आतंकवादी हमला हुआ, वह पहले से अलग और बेहद खौफनाक था। इसमें 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई, जिनमें से अधिकतर हिंदू थे। उन्होंने कहा, इस हमले का भारत पर बहुत गहरा और दर्दनाक असर पड़ा, जो पहले की घटनाओं में नहीं देखा गया था। यही वजह रही कि भारत सरकार और जनता दोनों ने इस बार मजबूत और करारा जवाब देने की मांग की।

1971 के युद्ध के बाद सबसे तेज हवाई हमला : उन्होंने बताया कि भारत की तरफ से पाकिस्तान में की गई हवाई हमले इतने जबरदस्त थे, जितने 1971 के युद्ध के

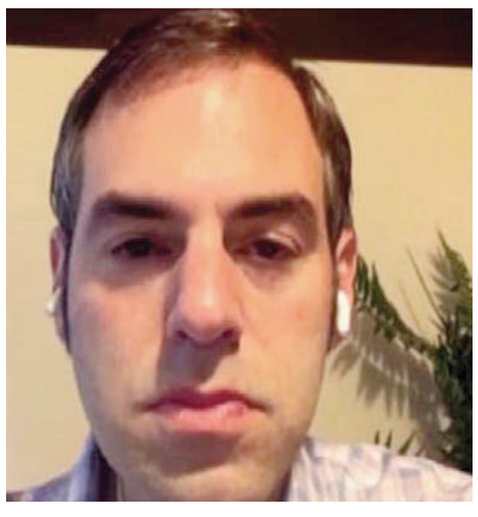

बाद कभी नहीं देखे गए। कुगेलमैन ने कहा, यह एक बड़ा फर्क है और यही कारण है कि वॉशिंगटन, लंदन, यूरोपीय यूनियन और खाड़ी देशों की राजधानियों में भी इस संकट को लेकर काफी चिंता थी। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व की तुलना करते हुए कहा कि भारत की मोदी सरकार ने 2016, 2019 और अब इस बार भी एक जैसी रणनीति अपनाई है - यानी तुरंत और सख्ती से पलटवार करना, ताकत और आत्मविश्वास दिखाना।

क्या है ऑपरेशन सिंदूर? : ऑपरेशन सिंदूर 7 मई को शुरू किया गया था, जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंक के ठिकानों पर जोरदार हमला किया। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना के तीनों अंग- थलसेना, वायुसेना और नौसेना - ने मिलकर कार्रवाई की।

रविवार को दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन के नतीजों की जानकारी दी। एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया और पाकिस्तान के 11 एयरबेस तबाह कर दिए गए। उन्होंने कहा, हमने अपने लक्ष्य पूरे किए हैं और यह बात अब दुनिया के सामने है। उन्होंने कहा कि भारत के पास पाकिस्तान के हर ठिकाने को निशाना बनाने की पूरी ताकत है और हमने यह साबित कर दिया है।

पाकिस्तान को दी गई सख्त चेतावनी : वहीं प्रेस ब्रिफिंग के दौरान वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने पाकिस्तान को खुली चेतावनी देते हुए कहा, इस बार अगर पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो उसे अच्छे से पता है कि भारत क्या करने वाला है। बस इतना ही कहना काफी है। भारतीय सेना ने इस पूरे ऑपरेशन को सावधानी और रणनीति के साथ अंजाम दिया ताकि आम नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे। समुद्र, जमीन और आसमान तीनों मोर्चों पर भारत ने पाकिस्तान की सैन्य ताकत को करारा झटका दिया।

2000 प्रतिशत प्रॉफिट!

मुकेश अंबानी को 500 करोड़ के निवेश पर मिलेंगे 10,000 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एशियन पेंट्स में अपनी 4.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। सूत्रों के अनुसार कंपनी 17 साल पहले किए गए निवेश से अब बाहर निकलना चाहती है। मुकेश अंबानी की कंपनी ने यह फैसला ऐसे समय किया है जब पेंट सेक्टर मार्जिन के दबाव और बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है। भारत का पेंट बाजार 9 बिलियन डॉलर का है। इस बाजार में कई नई कंपनियां एशियन पेंट्स को नंबर 1 के स्थान से हटाने की कोशिश कर रही हैं।

रिलायंस ने इस सौदे को करने के लिए बैंक ऑफ अमेरिका को नियुक्त किया है। एक या कई ब्लॉक डील के माध्यम से इस लेनदेन का प्रबंधन करेगा। हालांकि ऑफर मौजूदा बाजार मूल्य से 6-7 प्रतिशत कम पर है। पिछले 24 घंटे में कई अन्य इन्वेस्टमेंट बैंक और ब्रोकर भी खरीदारों की तलाश में शामिल हो गए हैं। मंगलवार को एशियन पेंट्स का शेयर 2,323 रुपये पर बंद हुआ था। इस कीमत पर 4.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर रिलायंस को 11,141 करोड़ रुपये (1.31 बिलियन डॉलर) मिलेंगे। एशियन पेंट्स के शेयरों में बुधवार को गिरावट दिख रही है। बीएसई पर कंपनी का शेयर सुबह 9.48 बजे 1.04 प्रतिशत गिरावट के साथ 2300.95 अंक पर ट्रेड कर रहा था।

कितना किया था निवेश

एशियन पेंट्स का शेयर पिछले साल 16 सितंबर को 3,394 रुपये के 52-सप्ताह के उच्च स्तर पर था। रिलायंस ने जनवरी 2008 में 500 करोड़ रुपये में यह हिस्सेदारी खरीदी थी। यह वह समय था जब वैश्विक वित्तीय संकट आने वाला था। पिछले एक साल में स्टॉक में 19.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे कंपनी के बाजार मूल्य में लगभग 51,000 करोड़ रुपये की कमी आई है। एलारा सिक्योरिटीज के अनुसार एशियन पेंट्स की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 25 में 59 प्रतिशत से घटकर 52 प्रतिशत हो गई है। डिविडेंड को मिलाकर मौजूदा बाजार मूल्य पर रिलायंस को अपने निवेश पर 24 गुना रिटर्न मिलेगा।

पेंट बाजार का हाल

पेंट कंपनियों ने लगातार चौथी तिमाही में कमजोर राजस्व वृद्धि दर्ज की है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण उन्हें ज्यादा छूट देनी पड़ रही है। कच्चे माल की लागत में कमी के बावजूद, इसका असर साल-दर-साल सकल मार्जिन में कमी के रूप में दिख रहा है। एशियन पेंट्स की डेकोरेटिव पेंट्स में 44 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। यह एशिया में दूसरी सबसे बड़ी और विश्व स्तर पर आठवीं सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी की वार्षिक घरेलू डेकोरेटिव पेंट क्षमता 1.85 मिलियन किलो लीटर है। यह 60 से अधिक देशों में उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करती है।

पाकिस्तान पर दिल खोलकर पैसे लुटा रहा आईएमएफ

7 दिन के भीतर दूसरी बार दिया कर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान टेंशन के बीच पाक को एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ से कर्ज मिल गया है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने बुधवार को एक्स पर इसकी जानकारी दी है। केंद्रीय बैंक ने एक पोस्ट में कहा कि उसे एक्सटेंडेड फंड फैसिलिडी कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 760 मिलियन डॉलर (1,023 मिलियन डॉलर) की दूसरी किश्त मिली है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने कहा कि यह राशि 16 मई को समाप्त सप्ताह के लिए उसके विदेशी मुद्रा भंडार में दिखाई देगी।

पिछले सप्ताह ही दिया था कर्ज

बता दें पिछले सप्ताह ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया था। आईएमएफ ने बीते शुक्रवार को कहा था कि उसके कार्यकारी बोर्ड ने पाकिस्तान के साथ अपने 7 बिलियन डॉलर के कार्यक्रम की पहली समीक्षा को मंजूरी दे दी है, जिससे देश को लगभग 1 बिलियन डॉलर की नकदी मिल सकेगी। 9 मई को पाक प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, ''प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आईएमएफ द्वारा पाकिस्तान के लिए एक अरब डॉलर की किस्त को मंजूरी दिए जाने और उसके खिलाफ भारत की मनमानी रणनीति की विफलता पर संतोष व्यक्त किया।'' इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और देश विकास की ओर बढ़ रहा है।

भारत ने उठाए थे सवाल

बता दें कि भारत ने पाकिस्तान के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के 1.3 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज पर मतदान से खुद को दूर रखते हुए बीते शुक्रवार को आईएमएफ कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर चिंता जताई थी। साथ ही पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के लिए ऋण वित्तपोषण निधि के दुरुपयोग की संभावना पर भी चिंता जताई। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी बयान में भारत द्वारा उठाये गये मुद्दों के बारे में बताया। भारत ने पिछली वित्तीय सहायता का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में पाकिस्तान के 'खराब ट्रैक रिकॉर्ड' का भी हवाला दिया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान आईएमएफ से लंबे समय से कर्जदार रहा है, जिसका कार्यान्वयन और आईएमएफ की कार्यक्रम शर्तों का पालन करने का बहुत खराब ट्रैक रिकॉर्ड है। 1989 से 35 वर्षों में, पाकिस्तान को आईएमएफ से 28 वर्षों में ही ऋण मिला है। 2019 से पिछले 5 वर्षों में, 4 आईएमएफ कार्यक्रम हुए हैं। यदि पिछले कार्यक्रम एक ठोस वृहद आर्थिक नीति वातावरण बनाने में सफल रहे होते, तो पाकिस्तान एक और बेलआउट कार्यक्रम के लिए फंड से संपर्क नहीं करता। भारत ने बताया कि इस तरह का ट्रैक रिकॉर्ड पाकिस्तान के मामले में आईएमएफ कार्यक्रम डिजाइनों की प्रभावशीलता या उनकी निगरानी या पाकिस्तान द्वारा उनके कार्यान्वयन पर सवाल उठाता है।

ठगों को किराये पर अपना बैंक अकाउंट देने वाले अब पकड़े जाएंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार बैंकों और दूसरे संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर एक नई प्रक्रिया बना रही है, जिससे फ्रॉड के लिए इस्तेमाल होने वाले म्यूल बैंक अकाउंट्स को सही समय में पहचाना जा सके। हालांकि, इस प्रक्रिया से सामान्य लोगों के लिए अकाउंट खोलने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। म्यूल अकाउंट्स वे होते हैं, जिनका इस्तेमाल फ्रॉड करने वाले लोग बैंकिंग सिस्टम के जरिए गैरकानूनी पैसों को ट्रांसफर करने के लिए करते

हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सेंट्रल इकॉनमिक इंटेलिजेंस ब्यूरो ने सुझाव दिया है कि बैंकों को रिस्क का आकलन करने के लिए मोबाइल नंबर से जुड़ी जानकारियों और डेटाबेस तक पहुंच दी जाए। अधिकारी ने कहा, हमने बैंकों से सुझाव मांगे हैं कि डेटा को कैसे और बेहतर बनाया जाए, जिससे अकाउंट खोलने या लेनदेन में कोई रुकावट न आए। इससे पहले, बैंकों ने बताया था कि मौजूदा नियमों के तहत एक ही मोबाइल नंबर का इस्तेमाल अलग-अलग ग्राहक कर सकते हैं, खासकर फैमिली अकाउंट्स के मामले में, जिसका कभी-कभी गलत इस्तेमाल होता है। श्वअ के मुताबिक एक बैंक अधिकारी ने कहा कि हमने सुझाव दिया कि ग्राहक, अकाउंट और लेनदेन की पूरी जानकारी का प्रोफाइल बनाया जाए, जिससे सही मॉनिटरिंग हो सके।

कमेटी का सुझाव

इसी साल इंडियन बैंक्स असोसिएशन की एक कमिटी ने भी सुझाव दिया था कि अकाउंट खोलने की डिजिटल प्रक्रिया में डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम या टेलीकॉम कंपनियों के साथ क्क्ष इंटीग्रेशन किया जाए। फिलहाल, छ्श्अ एक मोबाइल नंबर रिवोकेशन लिस्ट उपलब्ध कराता है। कमिटी ने सुझाव दिया कि इसे अपग्रेड करके मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर से नाम, जन्मतिथि और ईमेल अड्रेस की रियल टाइम में जांच की जा सके।

सीजफायर के बाद लोगों ने बनाया रिस्क लेने का मूड, सोना-चांदी हुए धड़ाम

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-चीन में ट्रेड वॉर टलने और भारत-पाकिस्तान में सीजफायर के बाद दुनिया भर के शेयर बाजारों में तेजी आई और लोगों ने रिस्क लेने का मूड बना लिया। नतीजा सोने जैसे सेफ-हेवन (सुरक्षित निवेश) की डिमांड कम हो गई। सोने-चांदी के भाव में आज यानी बुधवार 14 मई को बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 568 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर आज 93776 रुपये पर खुला। जबकि, चांदी 871 रुपये टूटकर 95949 रुपये प्रति किलो के भाव से खुली। सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अभी यह रेट दोपहर वाला है।

जीएसटी के साथ क्या है भाव- जीएसटी के साथ आज सोना 96589 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 98827 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है। 5324 रुपये सस्ता हो चुका है। 22 अप्रैल 2025 को सोना 99100 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर था।

इस साल चांदी से दोगुनी रफ्तार से भागा सोना- इस साल सोना करीब 18036 रुपये और चांदी 9932 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

सोना अपने ऑल टाइम हाई से आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी आज 565 रुपये सस्ता होकर 93401 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर सवा 12 बजे के करीब 420 रुपये टूटकर 85899 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी सस्ता होकर 70332 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 332 रुपये लुढ़क होकर 54859 रुपये पर आ गई है।

क्यों गिर रहा सोने का भाव- अमेरिका और चीन ने 3 महीने के लिए एक-दूसरे पर लगे टैरिफ (आयात शुल्क) कम करने का फैसला किया है। अमेरिका ने चीन के सामान पर टैरिफ 145 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत किया और चीन ने भी अमेरिकी सामान पर टैरिफ 125 प्रतिशत से 10 प्रतिशत कर दिया।

1,00,000 के स्तर से फिसलकर इस लेवल पर सोना

भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर और यूरोप में रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर संघर्षविराम की खबरों के बाद वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। जहां अक्षय तृतीया के आसपास सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू रहा था, वहीं अब यह घटकर जीएसटी समेत लगभग 96000 पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी 1,00,000 के स्तर से फिसलकर 96,500 प्रति किलो के करीब पहुंच गई है। पिछले 10-12 दिनों दोनों कीमती धातुओं में लगभग 4000 रुपए की गिरावट देखी गई। ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के निदेशक अनूप सराफ ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह समय गहनों की खरीदारी और लम्बे समय के निवेश के लिए सही है। कीमतों में आई यह नरमी ग्राहकों के लिए एक बेहतरीन मौका लेकर आई है।

डिफेंस शेयर को खरीदने की मची होड़

- **डबल हो गया कंपनी का मुनाफा, 15 प्रतिशत चढ़ा शेयर**

नईदिल्ली, एजेंसी। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) के शेयरों में बुधवार, 14 मई को 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। कंपनी के शेयर 2194.20 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे मार्च तिमाही के शानदार नतीजे हैं। दरअसल, राज्य के स्वामित्व वाली डिफेंस शिपबिल्डर का मुनाफा मार्च तिमाही में डबल हो गया है। कंपनी ने कहा है कि मजबूत रेवेन्यू बढ़ोतरी और मार्जिन विस्तार के कारण कंपनी का प्रॉफिट साल-दर-साल दोगुना से अधिक हो गया।

लाभ में उछाल, मार्जिन में सुधार- जीआरएसई का प्रॉफिट वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 118.9 प्रतिशत बढ़कर 244.2 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 111.6 करोड़ रुपये था। यह प्रभावशाली प्रदर्शन मजबूत राजस्व वृद्धि और बेहतर परिचालन दक्षता के कारण संभव हुआ। कंपनी का रेवेन्यू 1,642 करोड़ रुपये रहा, जो मार्च 2024 तिमाही के 1,015.7 करोड़ रुपये से 61.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने 219 करोड़ रुपये का इबीआइटीडीए दर्ज किया, जो पिछले साल के 90.6 करोड़ रुपये से 141.8 प्रतिशत अधिक है, जबकि इबीआइटीडीए मार्जिन 13.3 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 8.9 प्रतिशत था।

डिविडेंड भी दे रही कंपनी

कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 25 के लिए 4.90 प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। डिविडेंड का भुगतान कंपनी की आगामी 109वीं वार्षिक आम बैठक में इसकी घोषणा के 30 दिनों के भीतर किया जाना है।

स्टॉक के हाल

डिफेंस स्टॉक अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 2,834.60 से लगभग 23 प्रतिशत नीचे बना हुआ है, जो जुलाई 2024 में पहुंचा था। पिछले एक साल में, इस शेयर ने 111 प्रतिशत की बढ़त के साथ मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। मासिक आधार पर, त्क्ष्ग्स्श्व ने मजबूती से ऊपर की ओर बढ़त दर्ज की है, जो अप्रैल में 14 प्रतिशत की बढ़त और मार्च में 34 प्रतिशत की प्रभावशाली बढ़त के बाद मई में 13.5 प्रतिशत बढ़ा है।

दोगुना से ज्यादा बढ़ा मुनाफा, 445 रुपये के पार पहुंचे शेयर

कंपनी ने दनादन 3 बार बांटे हैं बोनस शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोलर पावर कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयर बुधवार को 7 पर्सेंट के उछाल के साथ 446.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। चौथी तिमाही के जबरदस्त नतीजों के बाद सोलर पावर कंपनी के शेयरों में यह तूफानी तेजी आई है। मार्च 2025 तिमाही में केपीआई ग्रीन एनर्जी का मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़ा है। केपीआई ग्रीन एनर्जी का मुनाफा मार्च 2025 तिमाही में 130 पर्सेंट बढ़कर 99.4 करोड़ रुपये पहुंच गया है। सोलर कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 744.37 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 312.95 रुपये है।

कंपनी का रेवेन्यू भी करीब दोगुना बढ़ा- केपीआई ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का रेवेन्यू भी चौथी तिमाही में करीब दोगुना बढ़ा है। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में सोलर कंपनी का रेवेन्यू 97 पर्सेंट बढ़कर 569.4 करोड़ रुपये पहुंच गया है। चौथी तिमाही में केपीआई ग्रीन एनर्जी का इबिट्डा सालाना आधार पर 77 पर्सेंट बढ़कर 161 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

75 पर जाएगा सुजलॉन एनर्जी का शेयर, खबर आते ही खरीदने की मची लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयर बुधवार के कारोबारी सत्र के दौरान लगभग 5 प्रतिशत चढ़ गए और 60 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयर में लगातार तीसरे दिन तेजी देखी गई। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने सुजलॉन एनर्जी के लिए अपनी बाय रेटिंग दी है और इसका टारगेट प्राइस 75 तय किया है। यह मंगलवार को स्टॉक के बंद प्राइस 57.62 रुपये की तुलना में 30 प्रतिशत की संभावित वृद्धि का सुझाव देता है।

क्या है ब्रोकरेज की राय

ब्रोकरेज ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि विंड टर्बाइन प्रोडक्शन में स्थानीय सामग्री के लिए पवन टर्बाइनों के मॉडल और निर्माताओं की नई जारी की गई संशोधित सूची का मसौदा मध्यम और लंबी अवधि में सुजलॉन एनर्जी के लिए एक महत्वपूर्ण पॉजिटिव कारक है। अपनी जांच के आधार पर, बिजली परियोजना डेवलपर्स से सरकार से मसौदा अधिसूचना के कार्यान्वयन को स्थगित करने के लिए कहने की उम्मीद है। मोतीलाल ने हाल ही में जारी आरएलएमएम अधिसूचना के मसौदे से दो मुख्य निहितार्थों की पहचान की है। मोतीलाल ने बताया कि सुजलॉन का टारगेट मध्यम अवधि में अपनी कुल ऑर्डर बुक में ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट के रेशियो को मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करना है, जो डिलीवरी के संबंध में विजिबिलिटी और कंट्रोल बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

सुजलॉन एनर्जी शेयर की कीमत

सुजलॉन एनर्जी का शेयर आज बीएसई पर 57.84 प्रति शेयर पर खुला, शेयर ने 60.30 प्रति शेयर का इंट्राडे हाई और 57.43 प्रति शेयर का इंट्राडे लो छुआ था। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में पांच साल में लगभग 2,300 प्रतिशत की उछाल आई है, जिससे इसके निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न मिला है।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में पढ़े, छोड़ी बैंक की नौकरी...

अब छोले-कुलचे बेच कमाल कर रहे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सागर मल्होत्रा ने कमाल का काम किया है। उन्होंने भारत की पहली छोले-कुलचे की वेंडिंग मशीन बनाई है। यह मशीन सिर्फ 60 सेकेंड में छोले-कुलचे तैयार कर देती है। सागर ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। अच्छी-भली नौकरी छोड़कर 2024 में उन्होंने चख दे छोले नाम से बिजनेस की शुरुआत की। वह पहले बैंकर थे। उन्होंने क्रेडिट सुइस में वाइस प्रेसिडेंट के पद से इस्तीफा दिया। 10 साल तक बैंकिंग सेक्टर में काम करने के बाद उन्होंने अपना बिजनेस शुरू करने का फैसला किया। उन्हें शुरुआत में ही अपने बिजनेस से शानदार रेस्पॉन्स मिला है। आइए, यहां सागर मल्होत्रा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

जनकपुरी में पले-बढ़े

सगर मल्होत्रा दिल्ली के जनकपुरी में पले-बढ़े। उन्हें हमेशा से खाने का शौक था। खासकर छोले-कुलचे उन्हें बहुत पसंद थे। जब वह बेंगलुरु, पुणे और मुंबई जैसे शहरों में रहे तो उन्हें वैसा स्वाद नहीं मिला। वह सोचते थे कि उत्तर भारत का यह मशहूर खाना हर जगह क्यों नहीं मिलता। सागर ने करीब एक दशक तक सिटीबैंक और क्रेडिट सुइस जैसे बैंकों में काम किया। वह लगातार आगे बढ़ते रहे। उन्हें अपनी नौकरी पसंद थी। लेकिन, वह अपना कुछ काम करना चाहते थे। 2023 में उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज में एक सीनियर मैनेजमेंट प्रोग्राम में हिस्सा लिया। वहां उनकी ऐसे लोगों से मुलाकात हुई जो अपनी नौकरी के अलावा भी कुछ कर रहे थे। उनमें सीईओ, उद्यमी और ब्लॉगर शामिल थे। इससे उन्हें लगा कि वह भी वैसा ही कुछ कर सकते हैं। सागर मल्होत्रा को छोले-कुलचे बहुत पसंद थे। पर, उन्हें सड़क किनारे मिलने वाले छोले-कुलचे में स्वाद और सफाई की कमी लगती थी। इसलिए उन्होंने सोचा कि क्यों न इस काम को ऑटोमैटिक बनाया जाए। एक साल तक रिसर्च करने के बाद उन्होंने एक वेंडिंग मशीन बनाई।

बिजनेस ने पकड़ी रफ्तार

सागर चख दे छोले को भारत में घर-घर में पहचान दिलाना चाहते हैं। वह ज्यादा आउटलेट खोलना चाहते हैं, टेक्नोलॉजी में सुधार करना चाहते हैं और मशीन को पूरी तरह से स्वचालित करना चाहते हैं। वह इच्छुक हैं कि छोले से लेकर कुलचे तक किसी भी काम में इंसान की जरूरत न पड़े। कंपनी ने अब तक 10 लाख रुपये कमाए हैं। अभी कुलचे हाथ से सेंके जाते हैं। लेकिन, सागर मशीन का अगला वर्जन बना रहे हैं। यह मशीन कुलचे को भी बेक करेगी। इससे पूरी प्रक्रिया अपने आप हो जाएगी। वह चाहते हैं कि उनके ग्राहकों के लिए यह आसान और सुविधाजनक हो। छोले और कुलचे दोनों मशीन से ही मिलें।

शुरुआत में मिली असफलता

सागर ने छोले-कुलचे की वेंडिंग मशीन बनाने के लिए बहुत रिसर्च की। वह चाहते थे कि लोगों को लगे कि वे दिल्ली के किसी ठेले वाले से ही खा रहे हैं। स्वाद, ताजगी और सफाई से वह कोई समझौता नहीं करना चाहते थे। वेंडिंग मशीन से तीन बड़ी समस्याएं हल हो सकती थीं- सफाई, समय और एक जैसा स्वाद। मार्च 2024 में सगर ने मशीन का पहला मॉडल बनाना शुरू किया। पहले मॉडल में कुछ कमियां थीं। वह मशीन 30-40 प्लेट परोसने के बाद खराब हो जाती थी। सगर चाहते थे कि मशीन सैकड़ों प्लेट परोसे और उसे बार-बार ठीक करने की जरूरत न पड़े। इसलिए उन्होंने मशीन को ठीक किया और उसमें सुधार किया। नवंबर में उन्होंने एक ऐसी मशीन बनाई जिस पर उन्हें गर्व था।

बटलर, बेथेल, जैक्स का आईपीएल प्लेऑफ खेलना मुश्किल

आरसीबी के खिलाफ खेलेंगे केकेआर के रसेल-नरेन ; यह मैच हारी तो बाहर होगी कोलकाता

नईदिल्ली (एजेंसी)। 17 मई से आईपीएल फिर शुरू होगा, टूर्नामेंट 3 जून तक चलेगा। ऐसे में कई विदेशी प्लेयर्स के नहीं खेलने की आशंका है। वहीं वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नरेन आरसीबी के खिलाफ केकेआर से खेलते नजर आएंगे। कोलकाता अगर यह मैच नहीं जीत सकी तो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर 29 मई से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच शुरू होने वाली वनडे सीरीज के कारण दोनों टीमों के प्लेयर्स का आईपीएल प्लेऑफ खेलना मुश्किल है। इससे आरसीबी-जीटी और मुंबई को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

कोलकाता के ज्यादातर विदेशी प्लेयर्स बेंगलुरु पहुंच जाएंगे। जहां टीम 17 मई को होम टीम आरसीबी से भिड़ेगी। केकेआर के लिए यह करो या मरो का मुकाबला है, अगर टीम हार गई तो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर आरसीबी अगर जीत गई तो प्लेऑफ में क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बन जाएगी।

दुबई में थे वेस्टइंडीज के प्लेयर्स- केकेआर में वेस्टइंडीज के 3 प्लेयर्स और 1 मेंटॉर हैं। चारों भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण हालात के दौरान दुबई में। रसेल, नरेन, रोवमन पॉवेल और मेंटॉर ड्वेन ब्रावो बुधवार तक ही भारत आ जाएंगे। अफगानी विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज काबुल और अफ्रीकी पेसर एनरिक नॉर्त्या मालदीव में हैं। दोनों भी बुधवार तक बेंगलुरु पहुंच जाएंगे।

ऑलराउंडर मोईन अली इंग्लैंड और पेसर स्पेंसर जॉनसन ऑस्ट्रेलिया में हैं। दोनों के आने पर कोई कन्फर्मेशन नहीं मिली। विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के भारत आने की जानकारी भी नहीं मिल पाई। कोलकाता के भारतीय प्लेयर्स भी जल्द ही टीम से जुड़ जाएंगे। 10 मई को भारत-पाकिस्तान में सीजफायर के बाद गुजरात टाइंटस ने अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। टीम 18 मई को दिल्ली में होम टीम से भिड़ेगी। मुकाबले से पहले 14 मई को इंग्लैंड के जोस बटलर और साउथ अफ्रीका के जेराल्ड कूट्जी टीम से जुड़ गए।

गुजरात के बाकी विदेशी प्लेयर राशिद खान, शेरफेन रदरफोर्ड, कगिसो रबाडा और करीम जनत इस दौरान टीम के साथ भारत में ही थे। रदरफोर्ड और बटलर को 29 मई से 3 जून तक इंग्लैंड में अपनी-अपनी टीमों से वनडे सीरीज खेलनी है। ऐसे में त्नज्ञ अगर प्लेऑफ में पहुंची तो दोनों का खेल पाना मुश्किल हो सकता है।

बेथेल और जैक्स का प्लेऑफ खेलना भी मुश्किल - इंग्लैंड को 29 मई से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी-20 की सीरीज खेलनी है। इंग्लिश टीम में आरसीबी के जैकब बेथेल और मुंबई के विल जैक्स का नाम है। दोनों ही टीमें प्लेऑफ में पहुंचने की दावेदार भी हैं, ऐसे में दोनों इंग्लिश प्लेयर्स का प्लेऑफ के मैच खेल पाना मुश्किल लग रहा है। प्लेऑफ स्टेज 29 मई से शुरू होगा।

रबाडा-एनगिडी समेत 8 आईपीएल प्लेयर्स साउथ अफ्रीका लौटेंगे

डब्ल्यूटीसी फाइनल में शामिल होने के लिए बुलाया गया, 26 मई तक जाना होगा

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में शामिल साउथ अफ्रीका के 8 खिलाड़ियों को प्ले ऑफ शुरू होने से पहले ही लौटना पड़ सकता है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए टीम में शामिल खिलाड़ियों को 26 मई तक लौटने के लिए कहा है। इनमें गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लुंगी एनगिडी, पंजाब किंग्स के मार्को यानसन, मुंबई इंडियंस के दो खिलाड़ी कॉर्बिन बॉश और रयान रिकेल्टन, लखनऊ सुपर जायंट्स से एडेन मार्करम, दिल्ली कैपिटल्स के ट्रिस्टन स्टब्स और सनराइजर्स हैदराबाद से व्यान मुल्डर शामिल हैं।

11 जून को खेला जाना है डब्ल्यूटीसी फाइनल - डब्ल्यूटीसी फाइनल 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बोर्ड ने ऐसा फैसला इसलिए किया है, ताकि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। वहीं सभी आठों खिलाड़ी टीम के साथ 30 मई डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए इंग्लैंड रवाना हो सकें। आईपीएल 2025 में साउथ अफ्रीका के कुल 20 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

गुजरात, बेंगलुरु, पंजाब और मुंबई को हो सकती है मुश्किल - साउथ अफ्रीका के 8 खिलाड़ियों के 26 मई को आईपीएल से लौटने से गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आईपीएल पॉइंट टेबल में टॉप में शामिल गुजरात टाइटंस के कागिसो रबाडा, दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लुंगी एनगिडी, तीसरे स्थान पर मौजूद टीम पंजाब किंग्स के मार्को यानसन और चौथे स्थान पर काबिज मुंबई इंडियंस के दो खिलाड़ी कॉर्बिन बॉश और रयान रिकेल्टन शामिल हैं।

आईपीएल फिर से 17 मई से शुरू हो रहा है - आईपीएल 2025 17 मई से फिर शुरू हो रहा है। 6 वेन्यू पर लीग स्टेज के बचे हुए 13 मैच होंगे। प्लेऑफ स्टेज 29 मई से खेला जाएगा, 3 जून को फाइनल होगा। पहले 25 मई को खेला जाना था। पाकिस्तान के साथ तनाव के कारण 9 मई को आईपीएल सस्पेंड करना पड़ा था।

लिविंगस्टन इंग्लैंड की वनडे और टी-20 टीम से बाहर

हैरी ब्रूक की परमानेंट कप्तानी में पहली सीरीज, 29 मई को वेस्टइंडीज से भिड़ेंगे

नईदिल्ली(एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाले व्हाइट बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड ने वनडे और टी-20 टीम का ऐलान कर दिया। लियम लिविंगस्टन को स्क्वॉड में जगह नहीं मिली। गुजरात टाइटंस से आईपीएल खेल रहे जोस बटलर भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं, ऐसे में उनका प्लेऑफ मैच खेल पाना मुश्किल है। हैरी ब्रूक को व्हाइट बॉल टीम का परमानेंट कप्तान बनाए जाने के बाद यह इंग्लैंड की पहली सीरीज है। फिल सॉल्ट को वनडे टीम में मौका नहीं मिला, वे 6 जून से टी-20 सीरीज खेलेंगे।

इंग्लैंड स्क्वॉड

वनडे – हैरी ब्रूक (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, टॉम हार्टली, विल जैक्स, साकिब महमूद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल रशीद, जो रूट और जैमी स्मिथ।

टी-20- हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, लियम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल रशीद, फिल सॉल्ट और ल्यूक वुड।

लियम डॉसन और विल जैक्स की वापसी - लेफ्ट आर्म स्पिनर लियम डॉसन को 2022 के बाद पहली बार टी-20 टीम में जगह मिली। फिल सॉल्ट की भी सबसे छोटे फॉर्मेट की टीम में वापसी हुई। विल जैक्स को दोनों स्क्वॉड में जगह मिली। जोफ्रा आर्चर वनडे सीरीज खेलेंगे, लेकिन इंजरी को ध्यान में रखते हुए उन्हें टी-20 सीरीज से बाहर रखा गया।

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन बैडमिंटन से बाहर

● राजावत भी राउंड-1 में हारे, महिला वर्ग में आकर्षि, उन्नति अगले दौर में

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और प्रियांशु राजावत थाईलैंड ओपन के पहले राउंड से बाहर हो गए हैं। वहीं, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर अगले दौर में पहुंच गई हैं। बुधवार को सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18-21, 21-9, 17-21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे गेम में वापसी की, लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया। सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने 18-21, 21-9, 17-21 से हराया।

राजावत भी तीन गेम में हारे

मेंस सिंगल्स कैटेगरी में प्रियांशु राजावत को भी पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21-13, 17-21, 21-16 से मात दी। इस मुकाबले में प्रियांशु ने बड़े अंतर से गंवाया, लेकिन दूसरे गेम में शानदार कोर्ट कवरेज और दमदार खेल की बदौलत 21-17 की वापसी हासिल की। तीसरे गेम में प्रियांशु को 21-16 की पराजय झेलनी पड़ी।

आकर्षि-उन्नति ने तीसरे गेम में जीते मुकाबले

विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में आकर्षि कश्यप ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21-16, 20-22, 22-20 से हराया। वहीं, उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21-14, 18-21, 23-21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18-21, 7-21 से हार गई।

श्रीलंका में स्नेह राणा की सफलता का राज धीमी और फुल लेंथ गेंदबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्नेह राणा ने श्रीलंका में त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई और इस ऑफ स्पिनर ने कहा कि उनकी सफलता में गेंदबाजी कोच अविष्कार साल्वी की अहम भूमिका रही। साल्वी ने पिच को काफी अच्छी तरह पढ़ा और स्नेह को कम गति से गेंदबाजी करने की सलाह दी जो उनके

काफी काम आई। बल्लेबाजी की अनुकूल पिचों पर स्नेह गेंद की गति में विविधता लाई जो काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। उन्होंने श्रृंखला में 15 विकेट चटकाए और कई देशों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया की कैथरीन फिट्जपैट्रिक के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड की बराबरी की। स्नेह ने कहा, 'मैंने हमारे गेंदबाजी कोच अविष्कार सर से बात की। उन्होंने हमें बताया कि वहां किस तरह की गेंदबाजी कामयाब रहेगी। गेंद बल्ले पर काफी अच्छी तरह आ रही थी इसलिए हमें धीमी और फुल लेंथ की गेंद फेंकने की सलाह दी गई। इस ऑफ स्पिनर ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं, मुझे खुशी है कि मुझे इतने लंबे समय बाद राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला। इस जर्सी को दोबारा पहनकर काफी अच्छा महसूस हो रहा है। श्रीलंका में सपाट पिचें थी और एक मैच में तो 600 से अधिक रन बने लेकिन स्नेह ने अपनी सटीक गेंदबाजी से बल्लेबाजों पर दबदबा बनाया। स्नेह ने महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट के नूशीन अल खादीर और न्यूजीलैंड की राशेल पुलर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2002 में 12 विकेट चटकाए थे।

पहलगाम हमला : पाकिस्तान का राजगीर में एशिया कप हॉकी खेलना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच इस साल हीरो एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान का भाग लेना मुश्किल लग रहा है। एशिया कप बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर के बीच खेला जायेगा । मेजबान भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपै को इसमें भाग लेना है। यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा लेकिन हम सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करेंगे जैसा पहले भी होता आया है। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले और आपरेशन सिंदूर के बाद अभी कुछ कहना मुश्किल है। अभी टूर्नामेंट में तीन महीने का समय है लेकिन हम सरकार की सलाह का पालन करेंगे। इसमें कोई दोराय नहीं है।

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की मौत हो गई थी जिसमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद से भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानियों को देश छोड़कर जाने के आदेश दिए। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर आपरेशन सिंदूर के जरिये मिसाइल हमले किए। पाकिस्तान ने जवाब में ड्रोन और मिसाइल हमले किए जिन्हें भारत की शानदार वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। भारत ने पाकिस्तान के कई प्रमुख शहरों में सैन्य ठिकानों और वायु रक्षा प्रणाली को नेस्तनाबूद कर दिया। दोनों देश दस मई को युद्धविराम पर राजी हो गए जब पाकिस्तान के सैन्य अभियान के महानिदेशक ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया।

महासंघ के एक सूत्र ने कहा, 'अगर सरकार मंजूरी नहीं देती है तो पाकिस्तानी टीम यहां नहीं आएगी। यह सब सरकार के उस समय के रूख पर निर्भर करता है। अगर पाकिस्तान को भारत आने की मंजूरी नहीं मिलती है तो टूर्नामेंट सात टीमों के साथ होगा या एक नयी टीम को बुलाया जाएगा। यह फैसला एशियाई हॉकी महासंघ लेगा।

एक अधिकारी ने बताया, 'अभी यह कहना मुश्किल है कि नई टीम कौन सी होगी या यह सात टीमों के साथ ही होगा। एशियाई हॉकी महासंघ इस पर फैसला लेगा। पाकिस्तान हॉकी टीम ने पिछली बार लखनऊ में 2016 जूनियर विश्व कप नहीं खेला था जो पठानकोट आतंकवादी हमले के कुछ महीने बाद ही हुआ था। उसकी जगह मलेशिया को शामिल किया गया था। मौजूदा हालात में पाकिस्तान का 28 नवंबर से दस दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप में खेलना भी मुश्किल है। एशिया कप अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है।

अर्शदीप सिंह का टेस्ट डैब्यू तय !

इंग्लैंड में दिखाएंगे जलवा, शमी पर संदेह

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह आगामी रेड-बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड के लिए उड़ान भर सकते हैं। भारत के इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शामिल है। यह 20 जून से शुरू होने वाली है और हाई-प्रोफाइल सीरीज 4 अगस्त को समाप्त होने वाली है। मुख्य सीरीज की शुरुआत से पहले, भारत ए को इंग्लैंड में दो चार दिवसीय मैच खेलने हैं। 26 वर्षीय अर्शदीप इंग्लैंड में होने वाली सीरीज़ के लिए चयनकर्ताओं के रडार पर हैं, और उन्हें टेस्ट टीम में चुना जाएगा।

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का चयन संदिग्ध है और उनके चयन की 50/50 संभावना है, जबकि हर्षित राणा भारत ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। बीसीसीआई विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ही उप-कप्तान चुनेगी। बता दें कि मोहम्मद शमी का फॉर्म और फिटनेस एक बड़ी चिंता का विषय रहा है क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग के चालू सत्र में वह गेंद के साथ बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत का इंग्लैंड दौरा 20 से 24 जून तक हेडिंग्ले, लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई तक खेला जाएगा, तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई तक लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर होगा। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 से 27 जुलाई तक चौथा टेस्ट खेला जाएगा, जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में खेला जाएगा।

मैक्सवेल से शादी क्यों नहीं की ? सवाल पर गुस्साई प्रीति जिंटा, बोली यह भेदभाव क्यों ?

नईदिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक इंटरेक्शन सेशन के दौरान, अभिनेत्री और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की सह-मालिक प्रीति जिंटा ने एक यूजर के आपत्तिजनक सवाल पर कड़ा जवाब दिया। यूजर ने मजाक में पूछा कि क्या क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल के आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के लिए खराब प्रदर्शन का कारण यह था कि प्रीति ने उनसे शादी नहीं की। इस सवाल से नाराज प्रीति ने यूजर को लैंगिक भेदभाव बंद करने और सम्मान देने की सलाह दी। प्रीति ने एक्स पर लिखा- क्या आप यह सवाल पुरुष टीम मालिकों से पूछेंगे, या यह भेदभाव सिर्फ महिलाओं के लिए है? क्रिकेट में आने से पहले मुझे नहीं पता था कि कॉर्पोरेट जगत में महिलाओं के लिए जीवित रहना कितना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, आपने यह सवाल मजाक में पूछा होगा, लेकिन उम्मीद है कि आप इसे गंभीरता से देखेंगे। मैंने 18 साल की मेहनत से अपनी पहचान बनाई है, कृपया मुझे वह सम्मान दें और लैंगिक पक्षपात बंद करें। धन्यवाद। पंजाब किंग्स -प्रीति जिंटा की सह-स्वामित्व वाली आईपीएल टीम, वर्तमान में आईपीएल 2025 की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

रियो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट रेसलर पर प्रॉस्टिट्युशन के आरोप

कोलंबस पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया, 19 मई को कोर्ट में पेश होंगे

कोलंबस (एजेंसी)। रियो ओलिंपिक 2016 में गोल्ड जीतने वाले अमेरिकी रेसलर काइल स्नायडर को कोलंबस पुलिस ने प्रॉस्टिट्युशन के मामले में गिरफ्तार किया है। वे शुक्रवार रात को एक प्रॉस्टिट्युशन से जुड़े स्टिंग ऑपरेशन में फंसे थे। हालांकि, पूछताछ के बाद स्नाइडर को मौके से ही छोड़ दिया। अब उन्हें 19 मई 2025 को अदालत में पेश होना होगा। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 29 साल के स्नाइडर के अलावा, 15 अन्य लोगों को इस मामले में आरोपी बनाया गया है। यह कार्रवाई कोलंबस पुलिस विभाग ने कोलंबस के नॉर्थ साइड इलाके में की।

ऐसे पकड़ में आए स्नायडर - पुलिस ने बताया कि हमने ऑनलाइन एस्कॉर्ट सेवा के फर्जी विज्ञापन पोस्ट किए थे, ताकि वे ऐसे लोगों को पकड़ सकें। जो प्रॉस्टिट्युशन जैसी गैरकानूनी सेवाओं की तलाश कर रहे थे। शुक्रवार रात 8ः15 बजे के करीब स्नायडर ने इन विज्ञापनों पर दिए गए नंबर पर कॉल और टेक्स्ट मैसेज भेजे। रेसलर को लगा कि वे किसी असली एस्कॉर्ट सर्विस से संपर्क कर रहे हैं। इतना ही नहीं, कॉल के बाद वे पास के एक होटल पहुंचे। जहां उन्होंने एक पुलिस की महिला अधिकारी को नकद पैसे दिए। अधिकारी ने मौखिक रूप से यौन सेवा की मांग की।

अब हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अब हॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। वह हॉरर ड्रामा 'ब्लेस्ड बी द एविल' में पहली बार मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में कंगना के साथ टीन वुल्फ, टायलर पोसी और हॉलीवुड आइकन सिल्वेस्टर स्टेलोन की बेटी स्कारलेट रोज स्टेलोन होंगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म का निर्माण इस गर्मी में न्यूयॉर्क शहर में शुरू होने वाला है। निर्माताओं ने खुलासा किया कि टीम ने जानबूझकर अमेरिकी स्थानों का चयन किया ताकि हाल ही में घोषित ट्रम्प इंडस्ट्री टैरिफ से उत्पन्न किसी भी अनिश्चितता से बचा जा सके। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग रुद्र ने किया है। जिन्होंने गाथा तिवारी लायंस मूवीज के अध्यक्ष और संस्थापक के साथ मिलकर इसकी स्क्रिप्ट भी लिखी है। 'ब्लेस्ड बी द एविल' एक साइकोलॉजिकल हॉरर है। रिपोर्ट के मुताबिक कहानी एक ईसाई कपल पर केंद्रित है जो गर्भपात के आघात से जूझ रहा है। एक नई शुरुआत की तलाश में, वह एक अंधेरे और भयावह इतिहास वाले एक छोड़े हुए खेत को खरीदते हैं, लेकिन यहां उनका सामना एक दुष्ट शक्ति से होता है। फिल्म के निर्देशक अनुराग ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, 'ग्रामीण भारत में पैदा होने और अपना बचपन बिताने के कारण, मुझे ऐसी कहानियां सुनाई गई जो मेरे दिमाग और दिल में बस गईं। यह लोककथा इतनी खास थी कि मुझे वास्तव में सभी कहानियों पर विश्वास था। मैं उन्हें सिनेमा की कला के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करना चाहता था।' अभिनेत्री कंगना रनौत ने अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। अभिनेत्री को आखिरी बार 'इमरजेंसी' में देखा गया था। इस फिल्म से उन्होंने निर्देशन की भी शुरुआत की। फिल्म में उन्होंने भारत की दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी।

नित्या मेनन के साथ बनी विजय सेतुपति की जोड़ी

साउथ स्टार विजय सेतुपति की फिल्मों का दर्शकों को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ वक्त से विजय सेतुपति अपनी अनाम आगामी फिल्म को लेकर चर्चाओं में थे, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री नित्या मेनन नजर आने वाली हैं। हालांकि, अब मेकर्स ने इस फिल्म के टाइटल की घोषणा कर दी है। जिसके बाद अब फिल्म का नाम सामने आ गया है।

पावर कपल के रूप में नजर आएंगे विजय-नित्या

फैंस का इंतजार खत्म हुआ और विजय सेतुपति की आगामी फिल्म के 'टाइटल की घोषणा हो गई। विजय सेतुपति और नित्या मेनन की इस फिल्म का नाम है 'थलाइवन थलाइवी'। इस फिल्म का निर्देशन पंडिराज ने किया है। इस ड्रामा फिल्म में विजय और नित्या पावर कपल के रूप में दिखाई देंगे। फिल्म गंभीर रूप से संबंधित रिश्तों पर बात करती है और उनके बीच के हर भाव को दिखाती है।

टीजर में दिखी दोनों की मजेदार केमेस्ट्री

मेकर्स ने फिल्म का टाइटल टीजर जारी किया है। जिसकी शुरूआत विजय सेतुपति और नित्या मेनन के खाना बनाने की तैयारी करते हुए होती है। इसके बाद दोनों मजाक और बहस करते हुए रसोई में खाना बनाते नजर आते हैं। टीजर में दोनों के बीच जबरदस्त केमेस्ट्री देखने को मिली है। टीजर में योगी बाबू भी नजर आए हैं। जो ये बताते हैं कि यह जोड़ी सामान्य से

बहुत दूर है। तभी विजय सेतुपति एक बंदूक निकालते हैं और गोली चलाते हैं। इसके साथ ही टीजर समाप्त हो जाता है।

अभी सामने नहीं आई रिलीज डेट

विजय सेतुपति और नित्या मेनन दूसरी बार एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे। पंडिराज द्वारा लिखित और निर्देशित 'थलाइवन थलाइवी' के टीजर के बाद अब दर्शक इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की गई है।

नई फिल्म के लिए साथ आए मनोज बाजपेयी और विपुल शाह

नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी एक बार फिर दर्शकों को अपनी दमदार एक्टिंग से चौंकाने को तैयार हैं। उनकी नई फिल्म गवर्नर की घोषणा हो चुकी है, जिसमें वह एक गवर्नर की मुख्य भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म विपुल शाह के प्रोडक्शन हाउस सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है। फिल्म के डायरेक्टर चिन्मय मांडलेकर हैं और इसकी शूटिंग जुलाई-अगस्त 2025 में शुरू होने की उम्मीद है।

गवर्नर की कहानी और तैयारी

गवर्नर एक रोमांचक पॉलिटिकल थ्रिलर है, जो मनोज बाजपेयी के करियर में एक और शानदार प्रदर्शन जोड़ने जा रही है। पीपिंगमून की रिपोर्ट के अनुसार, सनशाइन पिक्चर्स में इस प्रोजेक्ट पर पिछले दो साल से काम चल रहा था। पहले इस फिल्म को अपूर्व सिंह कार्की (सिर्फ एक बंदा काफी है) डायरेक्ट करने वाले थे, लेकिन अपनी दूसरी कमिटमेंट के कारण उन्हें प्रोजेक्ट छोड़ना पड़ा। इसके बाद मनोज बाजपेयी ने चिन्मय मांडलेकर को डायरेक्टर के तौर पर सुझाया। मनोज और चिन्मय हाल ही में नेटफ्लिक्स इंडिया की अपकमिंग कॉप ड्रामा सीरीज इंस्पेक्टर जेंडे में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म की प्री-प्रोडक्शन शुरू हो चुकी है और बाकी मुख्य किरदारों के लिए कास्टिंग प्रक्रिया जोरों पर है। विपुल शाह इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं।

मनोज बाजपेयी के आने वाले प्रोजेक्ट

मनोज बाजपेयी को गैंग्स ऑफ वासेपुर, स्पेशल 26, जोरम, और गुलमोहर जैसी फिल्मों में उनके शानदार अभिनय ने उन्हें दर्शकों और क्रिटिक्स का प्यार दिलाया है। हाल ही में वह नीरज पांडे की नेटफ्लिक्स फिल्म की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। इसके बाद वह गवर्नर की शूटिंग शुरू करेंगे। मनोज के पास और भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें शेखर कपूर की मासूम- द न्यू जेनरेशन और राम गोपाल वर्मा की पुलिस स्टेशन में भूत शामिल हैं। इसके अलावा, अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन भी दिवाली 2025 के आसपास रिलीज होने की उम्मीद है।

हॉलीवुड में डेब्यू करेंगी सलमान की गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर

सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर जल्द ही हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाली हैं। आज ही यह जानकारी सोशल मीडिया पर आई है, जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि वह जल्द ही ईकोज ऑफ अस में नजर आएंगी।

ईकोज ऑफ अस की स्टार कास्ट और शूटिंग

ईकोज ऑफ अस एक अंग्रेजी भाषा की फिल्म होगी, जिसमें यूलिया वंतूर के अलावा पूजा बत्रा, दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसेंड्रा व्हेलन मैरिज नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन जो राजन करेंगे, जिन्होंने लव यू सोनियो से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत की थी। बहरहाल, फिल्म की शूटिंग आज से शुरु हो चुकी है। इस फिल्म में यूलिया महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण अभिनेत्री पूजा बत्रा के एलायंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के तहत किया जाएगा।

यूलिया का करियर और चर्चा

यूलिया वंतूर एक रोमानियाई अभिनेत्री, गायिका और मॉडल हैं। यूलिया ने रोमानिया में मॉडलिंग और टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता के रूप में काम किया। भारत में आने के बाद, उन्होंने संगीत में भी हाथ आजमाया और कई गानों में अपनी आवाज दी है, जैसे कि हिमेश रेशमिया के साथ एवरी नाइट एंड डे। यूलिया ने बॉलीवुड में कई फिल्मों में आइटम नंबर किए हैं। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा सलमान खान के साथ उनके संबंधों के कारण जाना जाता है। यूलिया ने सलमान खान की फिल्म राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई के गाने सीटीमार में भी अपनी आवाज दी है।

ओटीटी पर नहीं आएगी सितारे ज़मीन पर, आमिर खान ने चुना यूट्यूब का नया पे-पर-व्यू मॉडल

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान एक बार फिर अपने नए सिनेमाई प्रयोग से चर्चा में हैं। उनकी आगामी फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' को लेकर दर्शकों में जितनी उत्सुकता है, उतना ही चौंकाने वाला है इसका रिलीज़ फॉर्मेट। आमतौर पर आजकल की फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के कुछ हफ्तों के भीतर ही ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन आमिर खान ने इस रिवाज से हटकर एक नई राह चुनी है। सूत्रों की मानें तो सितारे ज़मीन पर को सिनेमाघरों में रिलीज़ के बाद किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम नहीं किया जाएगा। इसकी बजाय, यह फिल्म दो महीने बाद यूट्यूब पर पे-पर-व्यू मॉडल के तहत दर्शकों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। इस मॉडल के तहत दर्शक फिल्म को देखने के लिए एक बार का शुल्क देंगे — न कि किसी ओटीटी सब्सक्रिप्शन के जरिए।

आमिर खान का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर जल्दी स्ट्रीमिंग की वजह से दर्शक सिनेमाघरों का रुख नहीं करते, खासकर ऐसी फिल्मों के लिए जो बड़े विजुअल इफेक्ट्स या एक्शन से भरपूर नहीं होतीं। 'सितारे ज़मीन पर' एक भावनात्मक और कंटेंट-ड्रिवन फिल्म है, और आमिर इसके साथ एक अलग प्रयोग करना चाहते हैं। यही कारण है कि फिल्म के पोस्टर पर भी किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म का लोगो नहीं है — जो आमतौर पर ट्रेंड बन चुका है। इस निर्णय के पीछे आमिर की मंशा यह है कि दर्शकों को सिनेमाघर का अनुभव देने के बाद भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्म की वैल्यू बनी रहे और निर्माता को कंटेंट पर पूरा नियंत्रण मिले। यह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में पे-पर-व्यू आधारित वितरण मॉडल का एक नया अध्याय साबित हो सकता है।

घर के बाहर कैजुअल सेक्सिज्म का सामना किया, मेरी बोली हुई बात का कोई महत्व नहीं था

सार्थक सिनेमा के लिए जानी जाने वाली भूमि पेडनेकर जितनी कटिबद्ध अपनी भूमिकाओं को लेकर हैं, उतनी ही उनकी चर्चा होती रही है विविधरंगी चरित्रों को लेकर। अभिनय के अलावा वे देश-विदेश के मंचों पर पर्यावरण और महिला मुद्दों पर भी जागरूकता फैलाने का भी काम करती रही हैं। जल्द ही वे द रॉयल्स जैसी वेब सीरीज से ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। उनसे एक ख़ास बातचीत

भूमि हाल ही में हमने आपको यंग ग्लोबल विमेन लीडर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते देखा, कितना फर्क पड़ता है, इस तरह के पार्टिसिपेशन से?

-बहुत फर्क पड़ता है। मैं खुद को बहुत ही उद्देश्यपूर्ण अभिनेत्री और व्यक्ति मानती हूं, तो मैं अपने काम या जो भी मुझे मंच दिया जाता है, उसमें उद्देश्य ढूंढती हूं। जैसे हाल ही में मैं डावोस समिट गई थी या फिर बीते दो सालों में मैंने जितने भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को रीप्रेजेंट किया है, मैंने अभिनेत्री नहीं बल्कि एक लडकी होने के नाते अपनी बात रही है। मैं इस तरह के प्लैटफॉर्म्स का लगातार हिस्सा बनना चाहूंगी, क्योंकि जब तक हम इन माध्यमों में अपनी सहभागिता नहीं बढ़ाएंगे, जहां महिलाओं को लेकर पॉलिसीज बनती हैं, कानून बनाए जाते हैं, बड़े फैसलों पर निर्णय लिए जाते हैं, तब तक हम इक्वैलिटी की बात कैसे कर सकते हैं? इसलिए ऐसे मंचों का हिस्सा बनना जरूरी है।

आप पर्दे पर भी लगातार महिला मुद्दों को मुखर करने वाले किरदारों में नजर आती हैं, मगर क्या आपको लगता है कि महिलाओं की चुनौतियां कुछ कम हुई हैं?

मुझे लगता है बदलाव तो आया है, मगर अभी लंबा सफर तय करना है महिलाओं को। औरतों की चुनौतियों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। मूल रूप से आप हर चीज में जो असमानता देखते हैं और दुर्भाग्य की बात ये है कि इसकी शुरुआत आपको घर से देखने को मिलती है। मैं इस मामले में खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मैं जिस तरह के परिवार में पली-बढ़ी, वहां मुझे अहसास नहीं हुआ कि कैजुअल सेक्सिज्म (अनौपचारिक लिंगभेद) क्या होता है? ऐसी चीजों का मुझे तब अहसास हुआ, जब मैं अपने घर से बाहर निकली और मेरी हर चीज पर सवाल उठाए जाने लगे। कई बार मुझे साफ तौर पर मुंह पर बोला गया कि बाकी चीजें अहमियत रखती हैं, मेरी बोली हुई बात का कोई महत्व नहीं। कई बार हम एक पुरुषों से भरे कमरे में होते हैं और वहां अनौपचारिक रूप से हमें जताया जाता है कि हमारा मत अहमियत नहीं रखता। यही वजह है कि मैं कोशिश करती हूं कि अपने काम या किरदारों के जरिए महिलाओं को सशक्त करने का काम करती हूं।

करियर की शुरुआत में दम लगा के हईशा से अब तक आपका ट्रांसफॉर्मेशन काबिल-ए-तारीफ है, मगर क्या आपको लगता कि मेल एक्टर के 6 पैक एब्स बनाने की तुलना में ऐक्ट्रेस के ट्रांसफॉर्मेशन को उतना हाईलाइट नहीं किया जाता?

आप जो कह रही हैं, वो बिलकुल सौ प्रतिशत सही है। हम लड़कियों को खुद को साबित करने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। मैंने दम लगा के हईशा के लिए मैंने तकरीबन 27 किलो वजन बढ़ाया था और इस भूमिका के लिए मैं अलग तरह से ट्रांसफॉर्म हुई हूं। आने वाले समय में हो सकता है आपको कोई और भूमि देखने को मिले, मगर मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मेरे पास शोर मचाने के लिए और भी बहुत कुछ है।

आपकी नई वेब सीरीज द रॉयल्स में में आपके हीरो ईशान खट्टर हैं, उनके साथ अपनी केमेस्ट्री को लेकर नर्वसनेस थी कि कन्वर्ट हो पाएगी या नहीं?

मुझे लगता है, वो नर्वसनेस हर किरदार को लेकर होती है। जो आपका किरदार है, जो आपने पढ़ा है और सोचा है, वो कन्वर्ट होगा या नहीं? देखिए, जो शो रनर होते हैं, प्रड्यूसर, एग्जिक्यूटिव प्रड्यूसर वो आपके पास एक कॉन्सेप्ट और किरदार लेकर आते हैं, उसके बाद आपको उसे सेट पर अपने निर्देशक के साथ मूर्त रूप देना होता है, मगर वह तभी कामयाब होता है, जब आपका अपने साथी कलाकार के साथ वो कंफर्ट लेवल हो। हीरो-हीरोइन दोनों ही जब पूरी मेहनत और शिद्दत से काम करते हैं, तभी जाकर उन दोनों के बीच की केमेस्ट्री रंग लाती है।

जीनत अमान जैसी लेजेंड अभिनेत्री के साथ इस वेब सीरीज में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

जब मुझे पहली बार पता चला कि जीनत जी भी इस शो में हैं, तो मेरे अंदर का फैन बाग-बाग हो गया। मैं उनकी बहुत बड़ी वाली फैन हूं। जब सेट पर मेरा उनके साथ पहला सीन था, तब मैं बहुत नर्वस थी, क्योंकि मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि मैं उनके सामने कैसे आऊंगी। मगर वे सच्चे मायनों में क्वीन हैं, आइकॉन हैं। उनका ऑरा कमाल का है। वे दयालु हैं, उनके भीतर बहुत प्यार भरा हुआ है, दूसरों को देने के लिए। आप जब भी उनसे मिलते हैं, तो वे आपको कांप्लिमेंट करती रहेंगी और आपको लगता है कि वे कितनी ज्यादा विनम्र हैं। मैं कामना करती हूं कि काश मेरे उनके साथ और ज्यादा सीन होते। इस मामले में मुझे अपने दूसरे साथी कलाकारों से मुझे बहुत ईर्ष्या होती है, क्योंकि मेरी तुलना में उन्हें जीनत जी के साथ ज्यादा दृश्य करने का मौका मिला।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401